राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 96 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 22 जनवरी 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

40 लाख रुपए कीमत की स्मैक के साथ एक गिरफ्तार, 177.43 ग्राम स्मैक जब्त

जैसलमेर। जैसलमेर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन मद मर्दन के तहत जिले की डीएसटी व कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी गुलाब सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी कच्छ गुजरात हाल पुलिस लाइन कच्ची बस्ती जैसलमेर को गिरफ्तार कर 177 ग्राम 46 मिलीग्राम स्मैक जब्त की है। जब्त स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपए है। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय एवं आईजी जोधपुर रेंज विकास कुमार के पर्यवेक्षण में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जिले में ऑपरेशन मद मर्दन अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए सभी थानाधिकारियों एवं जिला स्पेशल टीम को विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

फंदे से तो जिंदा उतार ली गई, एंबुलेंस के गेट ने ले ली जान!

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ एक 43 वर्षीय महिला की सरकारी एंबुलेंस में फंसकर मौत हो गई। महिला ने पहले फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था, लेकिन बाद में अस्पताल पहुंचने पर एंबुलेंस का गेट जाम होने के कारण समय पर इलाज न मिलने से उसकी जान चली गई। प्रतापनगर थाने के एसएचओ सुरजीत थोलिया के अनुसार, महिला ने रविवार शाम अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। परिवार ने उसे तुरंत फंदे से उतारा और अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस बुलाई। एंबुलेंस समय पर अस्पताल तो पहुँच गई, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उसका गेट 20 मिनट तक जाम रहा, जिसके चलते महिला को समय पर इलाज नहीं मिल पाया और उसकी मौत हो गई। महिला के परिजनों ने एंबुलेंस के मेडिकल स्टाफ पर लापरवाही के कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं, जिनकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

मैं शराब के नहीं, सफलता और अहंकार के नशे में था : वर्मा

चेन्नई। निर्देशक राम गोपाल वर्मा की फिल्म सत्या हाल ही में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई। निर्देशक ने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा किया और बताया कि वह शराब के नशे में नहीं, बल्कि अपनी सफलता और अहंकार के नशे में थे। यह एहसास उन्हें 27 साल बाद सत्या देखने के बाद हुआ। सोशल मीडिया पर सक्रिय राम गोपाल वर्मा ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया, इसमें वह भावुक नजर आए। पोस्ट को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'सत्या' को 27 साल बाद देखकर मैं इतना भावुक हो गया था कि मेरे आंसू बहने लगे और मैं इस बात की परवाह नहीं कर रहा था कि कोई देखेगा या नहीं। आंसू सिर्फ फिल्म के लिए नहीं, बल्कि उसके बाद जो हुआ, उसके लिए थे। उन्होंने कहा, फिल्म बनाना जुनून की पीड़ा से पैदा हुए बच्चे को जन्म देने जैसा है, बिना यह जाने कि मैं किस तरह के बच्चे को जन्म दे रहा हूं।

एक हजार जवानों ने 60 नक्सलियों को घेरा

गरियाबंद मुठभेड़ में 20 से ज्यादा नक्सली ढेर

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला गरियाबंद में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली है। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में 20 से ज्यादा नक्सली मारे गये हैं। वहीं सीआरपीएफ के कोबरा यूनिट का एक जवान भी घायल हुआ है, जिसे एयरलिफ्ट करके रायपुर लाया गया है। घायल जवान का नाम धमेंद्र भोई है। अब तक 16 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिये गये हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि इस एनकाउंटर में एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती भी मारा गया है। वह नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी का मेंबर था। रविवार सुबह से फायरिंग चल रही है। 40 घंटे से मुठभेड़ जारी है। मारे गए नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। भालू डिग्गी के जंगल में कुल एक हजार से अधिक जवानों ने 60 से अधिक नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। इससे पहले रविवार को गरियाबंद में हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर हुए थे, वहीं एक जवान भी घायल हुआ था। गरियाबंद मुठभेड़ में एके 47, एसएलआर, आईएनएसएएस और अन्य स्वचालित हथियार बरामद किए गए हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है। रायपुर संभाग के आईजी अमरेश मिश्रा ने इसकी जानकारी दी है। गरियाबंद मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती मारा गया। वह नक्सलियों

के केंद्रीय कमेटी मेंबर था। मारे गए नक्सलियों में माओवादियों के सीनियर कैडर भी शामिल हैं, जिनकी शिनाख्त की जा रही है नक्सल विरोधी सर्च अभियान में गरियाबंद ऑपरेशन ग्रुप ई30, कोबरा 207, सीआरपीएफ 65 एवं 211 बटालियन, ह्यशद्द नुआपाड़ा की संयुक्त पार्टी कुल्हाड़ीघाट क्षेत्र में रवाना हुई थी। सुरक्षा बलों का दावा है कि इस मुठभेड़ में नक्सलियों के कई इनामी लीडर्स मारे गए हैं। छत्तीसगढ़ और ओडिशा फोर्स की ओर से जॉइंट ऑपरेशन चलाया गया था। इसमें कुल 10 टीम में शामिल थीं। इनमें तीन टीम ओडिशा से, दो छत्तीसगढ़ पुलिस से और सीआरपीएफ की पांच टीम शामिल रहीं। मुठभेड़ की सूचना पर फोर्स के वरिष्ठ अधिकारी मैनपुर पहुंच गए हैं। पूरे एरिया में फोर्स की तैनाती की गई है। इसके अलावा तीन आईडी भी बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार, गोलाबारूद और एक 'सेल्फ लोडिंग' राइफल मिली थी और बारूदी सुरंग का पता चला था। उन्होंने बताया कि मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ सकती है। रायपुर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से लगातार मुठभेड़ जारी है।

नक्सलियों को बड़ा झटका मारा गया एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती.....

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में अब तक की सबसे बड़ी कामयाबी मिली है। इस मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फचलपती मारा गया है। गरियाबंद पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। सीएम विष्णुदेव ने गरियाबंद मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता पर हर्ष जताया है। खूंखार नक्सली जयराम उर्फचलपती आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के मेटपल्ली का निवासी था। वह नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी का सदस्य था। वह नक्सियों के संगठन का ओडिशा स्टेट कमेटी का इंजार्च था। उसकी गिनती देश के बेहद खतरनाक नक्सली इंचार्ज के रूप में होती थी। सुरक्षा बलों पर कई हमलों में शामिल रहा चलपती पर अलग-अलग राज्यों की पुलिस ने एक करोड़ का इनाम रखा था। कई राज्यों की पुलिस की इस पर पैनी नजर थी। उसे प्रताप रेड्डी उर्फरामाचंद रेड्डी उर्फ अप्पा राव के नाम से भी उसे जाना जाता है। वह माड़ क्षेत्र और छत्तीसगढ़ में सक्रिय था।

उम्मीदवारों को मिलेगा बल

राहुल गांधी कल से तीन दिन करेंगे जनसभाएं.....

नई दिल्ली। दिल्ली के सियासी रण की बिसात अब पूरी तरह से बिछ चुकी है। चुनावी मैदान में अब 699 खिलाड़ी बचे हैं। 23 सियासी सूरमा के साथ सबसे बड़ी जंग नई दिल्ली सीट पर लड़ी जाएगी। जबकि कस्तूरबा नगर और पटेल नगर से पांच-पांच उम्मीदवार मैदान में हैं। दरअसल, दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीते सोमवार को नामांकन वापसी का आखिरी दिन था। सोमवार को 20 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस लिया था। जिसके बाद अब 699 प्रत्याशी बचे हैं। देर रात तक उम्मीदवारों की गणना हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 22 से 24 जनवरी तक अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में रैलियां करेंगे। प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में पूर्व मंत्री डॉ. नरेंद्र नाथ ने बताया कि 22 को इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन, 23 को मुस्तफाबाद व 24 जनवरी को मादीपुर में जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के साधुओं ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के दौरान पट्टाभिषेक अनुष्ठान किया.

कानून व्यवस्था पर बेतुका बयान

क्या भाजपा के समय दुष्कर्म नहीं हुए-सीएम सिद्धारमैया...

बंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने एक बेतुका बयान दिया है। दरअसल विपक्षी पार्टी भाजपा सिद्धारमैया सरकार में कानून व्यवस्था खराब होने के आरोप लगा रही है। बंगलूरू में हुए एक दुष्कर्म मामले को लेकर विपक्ष कर्नाटक सरकार पर हमलावर है। जब इसे लेकर सीएम सिद्धारमैया से सवाल किया गया तो वे भड़क गए और कहने लगे कि क्या भाजपा सरकार में दुष्कर्म नहीं हुए थे। सिद्धारमैया ने ये भी कहा कि असामाजिक तत्व ऐसे कृत्य करते हैं और उनके खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। दरअसल रविवार की रात बंगलूरू के केआर मार्केट इलाके में एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया। पीड़िता येलाहांका इलाके में जब बस का इंतजार कर रही थी, उस वक्त कथित तौर पर दो लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बंगलूरू के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद ने पत्रकारों से बताया कि दुष्कर्म की घटना एसजे पार्क इलाके की है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने बताई वजह

अन्न, जल, पूजन सामग्री, मंत्र और अनुष्ठान सब प्रदूषित-शंकराचार्य

महाकुंभ/ एजेंसी

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि सतर्कता में शिथिलता धर्म-कर्म को प्रदूषित कर देती है। आज हमारा खानपान ही नहीं, अन्न, जल तक प्रदूषित हो गया है। पूजा की सामग्री प्रदूषित है। मंत्र, अनुष्ठान प्रदूषित हैं। भाषा-भाव और भंगिमा भी प्रदूषित हो रहे हैं। नए-नए देवता बनते जा रहे हैं। धर्म-अधर्म से मिश्रित हो रहा है। यदि अधर्म अपने स्पष्ट रूप में हमारे सामने आए तो काफी हद तक संभव है कि हम उससे बच सकें पर जब वह धर्म के रूप में हमारे सामने आता है तो उससे बचना कठिन हो जाता है। अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार को सेक्टर-19 के शंकराचार्य शिविर में आयोजित परमधर्मसंसद में धार्मिक प्रदूषण पहचान एवं निवारण विषय पर बोल रहे थे। शंकराचार्य ने कहा कि भागवत में व्यास जी ने अधर्म की पांच शाखाओं का वर्णन किया है। उसमें विधर्म, परधर्म, आभास, उपमा और छल शामिल हैं। यही धार्मिक प्रदूषण है जो अधर्म को धर्म के रूप में प्रस्तुत कर हमें गर्त में ले जा रहा है। विधर्म माने धर्म समझकर करने पर भी जिससे धर्मकार्य में बाधा पड़ती हो जैसे यहूदी, पारसी, ईसाई, इस्लाम आदि। परधर्म माने अन्य के द्वारा अन्य के लिए उपदिष्ट धर्म जैसे ब्रह्मचारी का गृहस्थ को, गृहस्थ का संन्यासी को। आभास स्वेच्छाचार जो धर्म सा लगता है। जैसे अनधिकारी का संन्यास। उपमा माने पाखंड तथा छल माने शास्त्र वचनों की अपने मन से की गई व्याख्या या उनमें अपने आप से मनमाना बदलाव कर देना।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा हिमानी संग शादी के बंधन में बंधे

सोनीपत। जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) में दो बार ओलंपिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आज सोनीपत के गांव लड़सौली की अंतराष्ट्रीय लांग टेनिस स्टार हिमानी मोर संग शादी के बंधन में बंध गए है।आज सोशल साइट में नव दंपति ने अपनी शादी की सूचना शेयर की है।आपको बता दें कि नीरज चोपड़ा ने सोनीपत के गांव लड़ौली की हिमानी मोर से शादी की है। हिमानी मोर भी टेनिस स्टार है।ओर वे सोनीपत के लिटिल एंजिल्स स्कूल में पढ़ने के बाद दिल्ली के कॉलेज से पॉलिटिकल ऑनर्स से ग्रेजुएशन करने के बाद अमेरिका में खेल से जुड़ी है।

राहुल से डरती है सरकार

हम संविधान के लिए मर मिटने को तैयार-प्रियंका

नई दिल्ली/ एजेंसी

एआईसीसी महासचिव और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि वह, उनके भाई लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता भाजपा से नहीं डरते हैं और संविधान की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाते रहेंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में कई पार्टियों की सरकार रही, लेकिन कोई ऐसी सरकार नहीं आई, जिसका गृह मंत्री संसद में खड़े होकर बाबा साहेब का अपमान कर सके। कोई ऐसी सरकार नहीं आई, जिसके नेताओं ने कहा कि हम संविधान बदल देंगे। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि कोई ऐसा नहीं कह सकता कि हमें आजादी 1947 में नहीं मिली। किसी ने नहीं सोचा था कि सत्ता में बैठे लोग संविधान को कमजोर करने की बात करेंगे और बाबा साहेब अंबेडकर जी जैसे मसीहा का संसद में अपमान होगा। बाबा साहेब का अपमान कर गृह मंत्री ने लोकतंत्र और तमाम स्वतंत्रता सेनानियों-शहीदों का अपमान किया है, जिन्होंने देश के लिए सबकुछ न्योछावर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी को देश की सारी संपत्ति सौंप दी गई है। जब हम संसद में कहते हैं कि अडानी के खिलाफ अमेरिका में केस दर्ज है, जांच की जाए, तो हमारी आवाज को दबाने की कोशिश की जाती गांधी ने कहा कि अडानी ने सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी, जिससे बिजली के बिल बढ़ाए जा सकें। आज देश का किसान संकटों से घिरा हुआ है।

करोड़ों रु मिलने के सवाल पर लखमा बोले

एक फूटी कौड़ी नहीं मिली-अब चार फरवरी तक जेल में

रायपुर/ संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को कोर्ट में पेश किया। इस दौरान कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब चार फरवरी तक लखमा जेल में ही रहेंगे। कोर्ट में अगली सुनवाई पांच फरवरी को होगी। इस दौरान मीडिया से चर्चा में लखमा ने कहा कि वे निर्दोष हैं। उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है। मुझे देश के कानून पर पूरा भरोसा है। परेशान जरूर होंगे पर जीत सत्य की होगी। करोड़ों रुपये मिलने के सवाल पर कहा कि एक फूटी कौड़ी तक नहीं मिली। उन्होंने कहा कि वे बस्तर के लोगों की आवाज उठाते रहेंगे, जल्द ही सच्चाई सबके सामने आएगी। जब तक जेल में रखेंगे, जब तक जनता की आवाज उठाते रहेंगे। राज्य सरकार ने बहुत परेशान किया है। बस्तर में सच बोलने वाले को मार दिया जाता है। राज्य सरकार आदिवासियों की आवाज दबा रही है। झूठे केस में फंसाया जाता है। नगरनार स्टील प्लांट को बेचने जा रहे हैं। अबूझमाड़ में सेना बैठा रहे हैं। इसकी आवाज उठाने पर डबल इंजन की सरकार जेल में डाल रही है। जो हो रहा है, वो गलत हो रहा है। छह-छह बार चुनाव जीता हूं। विधानसभा में मैंने सवाल उठाये हैं, घर पहुंचने से पहले ही ईडी आ गई। राजनीतिक साजिश के तहत बस्तर की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, हम जब तक रहेंगे बस्तर की आवाज उठाते रहेंगे। शराब घोटाले केस की जांच में ईडी ने अब तक कई

खुलासे किए हैं। ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने कवासी की पहली पेशी पर दावा करते हुए कहा था लखमा को हर महीने दो करोड़ रुपये कमीशन के तौर पर मिलते थे। उन्हीं पैसों से उन्होंने कांग्रेस भवन और अपना अलीशान घर बनवाया है। 36 महीने में प्रोसीड ऑफ क्राइम 72 करोड़ रुपए का है। ये राशि उनके बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और सुकमा कांग्रेस भवन के निर्माण में लगाई गई है। गिरफ्तार अरुणपति त्रिपाठी और अरविंद सिंह ने पूछताछ में बताया था कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के पास हर महीने कमीशन जाता था। शराब कर्टल से हर महीने लखमा को 50 लाख रुपए मिलते थे। 50 लाख रुपए के ऊपर भी डेढ़ करोड़ रुपए और दिया जाता था। इस तरह 2 करोड़ रुपए उन्हें हर महीने कमीशन के रूप में मिलता था। 36 महीने के घोटाले के हिसाब से मंत्री को 72 करोड़ रुपये मिले हैं। आबकारी विभाग में काम करने वाले ऑफिसर इकबाल खान और जयंत देवांगन ने बताया कि वे पैसों का जुगाड़ कर उनको भेजते थे। कन्हैया लाल कुर्रे के जरिए पैसों के बैग तैयार कर सुकमा भेजा जाता था। जगन्नाथ साहू और इनके बेटे हरीश लखमा के यहां जब सर्चिंग की गई डिजिटली सबूत मिले थे। इस डिजिटल सबूत की जब जांज की गई तो मालूम चला कि इस पैसे का उपयोग बेटे हरीश का घर बनवाने और सुकमा में कांग्रेस भवन बनवाने में किया गया है।

जानें क्या है दो हजार करोड़ के शराब घोटाला मामला

ईडी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2019-2022 तक लाइसेंसी शराब दुकानों में डुप्लिकेट होलोग्राम लगाकर बड़ी मात्रा में अवैध शराब बेची गई थी। इस वजह से छत्तीसगढ़ के राजस्व विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। शराब को स्कैनिंग से बचाने के लिए नकली होलोग्राम भी लगाया जाता था, जिससे वह किसी की पकड़ में न आ सके। घोटाले में संलिप्त लोगों ने इस होलोग्राम को बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के नोएडा में होलोग्राफी का काम करने वाली प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को टेंडर दिया था। यह कंपनी होलोग्राम बनाने के लिए पात्र नहीं थी, फिर भी नियमों में संशोधन करके यह टेंडर कंपनी को दे दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

अवैध धान परिवहन करते माजदा गाड़ी पकड़ी, 450 कट्टा धान जब्त

महासमुंद /सरायपाली(समय दर्शन)। सरायपाली तहसील के ग्राम चिवराकुटा में अनुविभागीय अधिकारी (आईएएस) सुश्री नम्रता चौबे के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने अवैध धान परिवहन पर कार्रवाई की। तहसीलदार श्रीधर पंडा ने बताया गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई, राजस्व एवं खाद्य विभाग की टीम द्वारा की गई कार्रवाई में एक माजदा गाड़ी से 450 कट्टा धान अवैध रूप से परिवहन करते पकड़ी गई। उन्होंने बताया कि यह धान बिना किसी वैध दस्तावेज के परिवहन किया जा रहा था। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी को रोककर जांच की, जिसमें परिवहन संबंधी किसी प्रकार के कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके बाद गाड़ी और धान को जब्त कर लिया गया। जब्त धान और वाहन को मंडी के सुपुर्द कर दिया गया है, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के हितों की रक्षा और बिचौलियों पर नियंत्रण के लिए ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि अवैध भंडारण की जानकारी मिलने पर तुरंत इसकी सूचना दें, ताकि आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2024-25 : जिले में आदर्श आचरण संहिता लागू, प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

महासमुंद, (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिका आम निर्वाचन 2025 एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 के लिए 20 जनवरी 2025 को कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावी हो गई है। शांति और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह के आदेशानुसार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए महासमुंद जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर, तलवार, भाला, लाठी, विस्फोटक सामग्री जैसे घातक हथियार लेकर सार्वजनिक स्थलों, सभाओं, या रास्तों पर नहीं चलेगा। किसी भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी द्वारा सशस्त्र जुलूस निकालने या आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश उन शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें अपने कार्य संपादन के लिए लाठी या शास्त्र रखना आवश्यक है। यह आदेश उन शासकीय कर्मचारियों पर भी लागू नहीं होगा, जिन्हें चुनाव व मतदान के दौरान, कानून व्यवस्था बनाएं रखने के लिए पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा, जिन्हें शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था तथा लंगड़ापन होने के कारण सहारे के रूप में लाठी रखना आवश्यक होता है। बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के कोई भी व्यक्ति या समूह सभा, रैली, जुलूस या धरना नहीं कर सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति या समूह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय होगा। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है। यह आदेश जिले की नगर पालिका, नगर पंचायत और जनपद पंचायत क्षेत्रों में लागू रहेगा और निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहेगा।

आदर्श आचरण संहिता के दौरान जनदर्शन का आयोजन रहेगा स्थगित

सूरजपुर। राज्य में नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस दौरान आदर्श आचार संहिता प्रभावशील रहेगी। आदर्श आचार संहिता के लागू रहने के दौरान जिला कलेक्टोरेट में सप्ताह के प्रति सोमवार को आयोजित की जाने वाली जनदर्शन स्थगित रहेगी। चुनाव के पूर्ण से संपन्न होने और आदर्श आचार संहिता के समाप्ति के पश्चात् पुन: इसका आयोजन किया जाएगा।

देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल 295 दिनों में 200 मिलियन टन लदान के आंकड़े को हासिल किया

रायपुर (समय दर्शन)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने समर्पित रेलकर्मियों के सम्मिलित प्रयासों से अपने सर्वाधिक लदान करने वाले जोन में से एक होने के खिताब एवं परंपरा को बरकरार रखने की ओर अग्रसर है । अपने ठोस इरादों की बदौलत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए नवीन प्रबंधन प्रणाली से वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के 01 अप्रैल' 2024 से 20 जनवरी' 2025 तक केवल 295 दिनों में 200 मिलियन टन लदान को पूरा किया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्षों 2023-24 में 318 दिनों, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 345 दिनों तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 में 348 दिनों में यह उपलब्धि हासिल की थी । भारतीय रेलवे में 65त्न इंक्रीमेंटल लोडिंग की भागीदारी के साथ यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है ।

इस अवधि में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा लोड किए गए वस्तुओं में कोयला, क्लिंकर, लौह अयस्क, सीमेंट, स्टील, खाद्यान, रासायनिक खाद, खनिज तेल एवं स्टील कारखानो के लिए कच्चे माल आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में माल लदान वृद्धि ऐसे समय में देखने को मिल रहा है जब इस रेलवे में आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिये रेल लाइनों का दोहरीकरण, तीहरीकरण एवं चौथी लाइन जैसे कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी कार्य किये जा रहे है । इस प्रकार आधार संरचना में अभूतपूर्व प्रगति के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कोयले एवं अन्य खनिजों के लदान में भी बढ़ोत्तरी कर देश के साथ ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की है तथा स्थानीय लोगों की रोजगारपरक क्रियाओं में वृद्धि करने का योगदान दिया है । इस उपलब्धि के पीछे माल लदान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख सहभागी कोल इंडिया के विभिन्न प्रकल्पों तथा अन्य ग्राहकों के साथ प्रत्येक स्तर पर बेहतर कार्य का भी बड़ा योगदान है । समय समय पर बैठकों के जरिये उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया गया है ।

भारतीय रेलवे में सर्वाधिक माल ढुलाई करने वाले रेल मण्डल के रूप में विख्यात बिलासपुर रेल मण्डल ने भी पिछले वर्ष की तुलना में 32 दिन पहले ही 150 मिलीयन टन माल ढुलाई के आंकड़े को हासिल किया है । देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए, महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के कुशल मार्गदर्शन में दक्षिण पूर्ण मध्य रेलवे द्वारा माल लदान के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा माल लदान में नए कीर्तिमान को जल्द ही हासिल कर ली जाएगी । महाप्रबंधक ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए समस्त रेलकर्मियों के प्रयासों की सराहना की है ।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2024-25

जिले में आग्नेय अस्त्र-शस्त्र संबंधित पुलिस थानों में जमा कराने का आदेश जारी

महासमुन्द, (समय दर्शन)। जिले में नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह के ने आदेश जारी किया है। जिले की सीमा में निवासरत सभी शस्त्र लाइसेंसधारियों को अपने आग्नेय अस्त्र-शस्त्र संबंधित पुलिस थानों में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

यह आदेश आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17(3)(बी) व धारा 21 के तहत जारी किया गया है। आगामी चुनावों में भयमुक्त वातावरण बनाए रखने और अस्त्र-शस्त्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। उच्च न्यायालय मुंबई के आदेश और निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शस्त्र जमा कराने की प्रक्रिया और प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए जिला स्तर पर समिति गठित की गई है।

जारी आदेशानुसार जिला सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले लाइसेंसधारियों को अपने अस्त्र-शस्त्र की सूचना थाने में अनिवार्य रूप से देनी होगी तथा अपने-अपने आग्नेय अस्त्र-शस्त्र नजदीकी पुलिस स्टेशन में जमा करायेंगे। यह आदेश जिले में निवासरत बाहर के जिले से आए लायसेंसी पर भी लागू होगा। मान्यता प्राप्त बैंकों के सुरक्षा गार्ड, राष्ट्रीय रायफल संघ, जिला रायफल संघ, औद्योगिक, शैक्षणिक और महत्वपूर्ण शासकीय संस्थानों के सुरक्षा गार्डों को इस आदेश से छूट दी गई है। जिन्हें इस आदेश से मुक्त रखा गया है, को भी अपने अस्त्र-शस्त्र की सूचना थाने में अनिवार्य रूप से देनी होगी और बिना अनुमति परिसर की सीमा से बाहर नहीं ले जा सकेंगे।

जिन लाइसेंसधारियों को सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र की आवश्यकता प्रतीत होता है, वे आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की जांच थाना प्रभारी द्वारा कर, पुलिस अधीक्षक के माध्यम से अनुवीक्षण समिति को भेजा जाएगा। समिति अंतिम निर्णय लेगी। थाना प्रभारी जमा शस्त्रों का पंजीकरण करेंगे और पावती देंगे। 28 फरवरी 2025 के बाद एक सप्ताह के भीतर शस्त्र लाइसेंसधारकों को उनके शस्त्र वापस किए जाएंगे। जिले के सभी शस्त्र लाइसेंसधारियों इस आदेश का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिथौरा में फिक्स डे मेंटल हेल्थ कैम्प

पिथौरा (समय दर्शन)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिथौरा मे बीते दिन नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के तहत मेंटल हेल्थ कैम्प आयोजित किया गया।

जिसमें21 मरीजों को फ्री मेडिसिन के साथ साइकोसोशल इंटेर्वेसन किया गया। डॉ पी कुदेशिया सी एम एच ओ महासमुन्द, श्रीमती नीलू घृतलहरे डी पी एम और डॉ सी पी चंद्राकर नोडल अधिकारी मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के समन्वय से फिक्स डे मेंटल हेल्थ कैम्प आयोजित किया गया।

मरीजों को मानसिक तनाव को कम करने के लिए टिप्स भी दिया गया। कैम्प में आये मरीजों और उनके साथ आये परिजनों का काउंसलिंग भी किया गया। मरीजों को उचित देखभाल करने उनसे सामान्य व्यवहार करने , होने वाले तनाव को कम करने की सलाह दिया गया।

इस कैम्प मे डॉ बी बी कोसरिया बी एम ओ पिथौरा , डॉ चित्रेस डडसेना, जयकांत विश्वकर्मा बी पी एम और स्टॉफ का सहयोग रहा।

मेडिकल कालेज सह जिला चिकित्सालय महासमुन्द स्पर्श क्लीनिक मनोरोग विभाग से रामगोपाल खूंटे साइकेट्रिक सोसल वर्कर एवं मानिटरिंग कर्मचारी टेकलाल नायक तथा स्टाफ उपस्थित रहे।

अब्दुल कलाम रिठाला विधानसभा के पर्यवेक्षक बनाये गये

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी ने एक नियुक्ति पत्र जारी कर अब्दुल कलाम खान को दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में रिठाला विधानसभा का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उक्त अनुशंसा के लिए उन्होंने इमरान प्रतापगढ़ी, श्रीमती सोनिया गांधी, मल्लिका अर्जुन खड़गे, राहुल गांधी और श्रीमती प्रियंका गांधी सहित पूरे अल्पसंख्यक विभाग का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया है।

अब्दुल कलाम ने इस तरह की जिम्मेदारियों पहले भी बखूबी निभाई है, जिसके मद्देनजर ही उन्हें इस बार भी इतनी अहम जिम्मेदारी अलाकमान ने सौंपी है। इसके पूर्व भी कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी इरफान अंसारी के जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्यवेक्षक चुना था और अब्दुल कलाम खान ने उनकी ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई थी। यही नहीं हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी उन्हें किलोई विधानसभा के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया जा चुका है।

अब्दुल कलाम खान वर्तमान में राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर प्रभारी उड़ीसा प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के है, उनकी लंबे समय की सक्रियता और संगठन के प्रति निष्ठा के चलते ही उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना गया है। अब्दुल कलाम खान ने संगठन को विश्वास दिलाया है कि, उन पर भरोसा करके जो जिम्मेदारियां उन्हें सौंपी गई है, उसे सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग से पूरी निष्ठा से निभाएंगे और रिठाला विधानसभा सीट से अपनी पार्टी को जीत दिलाने में अपना पूरा योगदान देंगे, उनकी इस नियुक्ति से संगठन और इष्ट मित्रों में हर्ष का माहौल है।

पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री करने वाले के उपर जिले में चलाया जा रहा है अभियान

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री करने वाले के उपर जिले में अभियाना चराया जा रहा है। बसना थानान्तर्गत के ग्राम अखराभाटा से पुलिस ने भारी मात्रा में 250 लीटर देशी महुआ शराब के साथ दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 20/01/2025 को जुर्म जरायम पतासाजी व शराब रेड कार्यवाही पर जरिये मुखबिर की सूचना पर आरोपीगण 1. कोख सिंह सिदार पिता अमर सिह उम्र 25 वर्ष, निवासी अखराभांठा टुकडा, थाना बसना जिला महासमुंद छ0ग0 2.गणेश बारिक पिता पिताम्बर बारिक उम्र 29 साल निवासी अखराभांठा टुकडा, थाना बसना जिला महासमुंद छ0ग0 के कब्जे से सफेद रंग की 05-05 लीटर वाली प्लास्टिक की 38 नग झिल्ली प्रत्येक में 05-05 लीटर करीबन 190 लीटर एवं सफेद रंग की 20 लीटर वाली प्लास्टिक जरकीन 03 नग में भरी हुई देशी महुआ शराब करीबन 60 लीटर कुल जुमला 250 लीटर देशी हाथ भट्ठी महुआ शराब किमती 50,000 रूपये को बिक्री हेतु रखे थे जिसे विधिवत गवाहो के

समक्ष बरामद कर जप्त कर सीलबंद किया गया । आरोपीयों के विरूद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को गिर0 कर ज्यूडिसियल रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया जाता है

गिरफ्तार आरोपीयों का नाम

1. कोख सिंह सिदार पिता अमर सिह उम्र 25 वर्ष, निवासी अखराभांठा टुकडा, थाना बसना जिला महासमुंद छ0ग0
2. गणेश बारिक पिता पिताम्बर बारिक उम्र 29 साल निवासी अखराभांठा टुकडा, थाना बसना जिला महासमुंद छ0ग0

जप्त संपत्ती - सफेद रंग की 05-05 लीटर वाली प्लास्टिक की 38 नग झिल्ली प्रत्येक में 05-05 लीटर करीबन 190 लीटर एवं सफेद रंग की 20 लीटर वाली प्लास्टिक जरकीन 03 नग में भरी हुई देशी महुआ शराब करीबन 60 लीटर कुल जुमला 250 लीटर देशी हाथ भट्ठी महुआ शराब किमती 50,000 रूपये

संपूर्ण कार्यवाही थाना बसना पुलिस द्वारा किया गया है।

हिन्दू युवा मंच ने आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने सोमनी थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिन्दू युवा मंच छत्तीसगढ़ ने राजनांदगांव जिले के अंतर्गत आने वाले सोमनी थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराध और मनगट्टा क्षेत्र में लंबे समय से चल रही असामाजिक तत्वों की असंदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर कड़ी कार्यवाही करने की मांग को लेकर कल शाम हल्ला बोला। साथ ही संबंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी सत्यनारायण देवांगन सहित पूरे थाना स्टाफ को यह चेतावनी दी है कि, उनकी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वे उग्र आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

प्रदेश संयोजक गोविंद राज नायडू के मार्गदर्शन में और प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी जय देवांगन, जिलाध्यक्ष और जिला कार्यक्रम प्रभारी किशोर माहेश्वरी और शहर अध्यक्ष और शहर कार्यक्रम प्रभारी सुरेश लोहमार के नेतृत्व में उक्त मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। उक्तशय की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि, सोमानी थाना क्षेत्र में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, यही नहीं मनगट्टा और आसपास के क्षेत्र में भी लंबे समय से असामाजिक और संदिग्ध गतिविधियों के होने की शिकायतें भी संगठन को लगातार प्राप्त हो रही थी, किंतु संबंधित थाना इस पर कार्यवाही करने और नकेल कसने के

बजाय हाथ पर हाथ धरकर बैठा हुआ था, जिसके कारण असामाजिक तत्वों के हौसले सातवें आसमान पर थे और इस प्रकार की गतिविधियां रुकने के बजाय दिनों दिन बढ़ती ही जा रही थीं। पुलिस महकमे को जगाने और उनके कर्तव्यों की याद दिलाने हिन्दू युवा मंच को विवश होकर आज आगे आना पड़ा। आगे उन्होंने यह भी कहा कि, संबंधित थाना क्षेत्र में अपराध का ग्राफ लगातार तो बढ़ता जा ही रहा था, पीड़ितों की सुनवाई न होने की भी लगातार शिकायते मिल रही थी, जिस पर भी थाना क्षेत्र कोई रुचि भी नहीं दिखा रहा था। वहीं मनगट्टा और आसपास के क्षेत्र में भी असामाजिक तत्वों के द्वारा लगातार आपराधिक और संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है, जिसके कारण उक्त क्षेत्र और क्षेत्र के आसपास का वातावरण लगातार दूषित होने लगा है, जिस पर भी लगाम लगाना बहुत जरूरी हो गया है। असामाजिक तत्वों की लगातार सक्रियता के फलस्वरूप मनगट्टा वन चेतना केंद्र, पर्यटन का केंद्र न बनकर, परिवार के साथ यहां आने वालों के लिए परेशानी का सबब बनने लगा था। साथ ही प्रबुद्ध जन और संभ्रांत परिवार वन चेतना केंद्र से दूरी बनाने लगे थे, जिस पर त्वरित रूप से कार्यवाही करने और क्षेत्र में पेट्रोलिंग टीम की सक्रियता तेज करने थाना प्रभारी को मंच ने हिदायत दी है। इतना ही नहीं उक्त शिकायत पर जल्द से जल्द कार्यवाही न होने की स्थिति में मंच ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञापन सौंपने स्वयं प्रदेश संयोजक गोविंद राज नायडू उपस्थित रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश संगठन से जय देवांगन, राज गुप्ता, वीरेंद्र सिंह, रवि देवांगन, उज्ज्वल साहू, तरुण साहू, आयुष कुमार, सोनू साहू, लक्ष्मण यदु, दीपक मानिकपुरी, विक्की कुमार, लामन सिन्हा, ओम सिन्हा, आयुष देशमुख, रवि टंडन, राजनांदगांव शहर अध्यक्ष सुरेश लोहमार, शहर संयोजक राजा ताम्रकार, जिला उपाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, संतोष विश्वकर्मा, सोमनी मंडल से अजय सोनकर, सचिन यादव, भुवन कुमार, आशीष साहू, गंधरी मंडल से गजेंद्र कुमार, डामेश्वर साहू, घुमका मंडल से प्रिंस राजपूत, जीवन पटेल, टिकेंद्र साहू सहित हिन्दू युवा मंच के सदस्य और पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सार समाचार

महिला ने युवक को उतारा मौत के घाट

रायपुर। शारदा विहार कालोनी टेमरी में एक महिला ने युवक के सिर पर हथौड़ा से हमला कर हत्या कर दी। मामले में माना पुलिस ने आरोपिया के खिलाफ अपराध दर्ज कर हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक संजय जांगड़े 36 वर्ष ग्राम बनरसी का रहने वाला था। बताया जाता है कि शारदा विहार कालोनी टेमरी में आरोपिया पुष्पा बंजारे 38 वर्ष किसी बात को लेकर संजय से विवाद किया और हथौड़ा से सिर पर वार कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपिया को हिरासत में लिया है।

बाइक को किया आग के हवाले

रायपुर। बीएसयूपी कालोनी विधानसभा में खड़ी बाइक को युवक ने आग के हवाले कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजेश साहू 24 वर्ष ग्राम टेकारी के रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीटी 9617 को बीएसयूपी कालोनी में खड़ी किया था, तभी आरोपी लल्लू साहू ने प्रार्थी के बाइक को आग के हवाले कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पत्नी का हत्यारा पति गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने अपनी पत्नी की हत्या कर फरार होने वाले पति को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पति ने अपनी पत्नी के सिर पर सीमेंट भरी बाल्टी मारकर सिर फोड़कर हत्या कर दी थी और फरार हो गया था। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। बता दें कि टिकरापारा थाना पुलिस को शनिवार शाम करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि कमल विहार इलाके में एक महिला की हत्या हुई है। शुरुआती जांच में पता चला कि पति गजेंद्र यादव ने अपनी पत्नी हेमलता यादव (27) के सिर पर सीमेंट भरी बाल्टी मारकर फ ोड़ दिया। जिससे उसकी जान चली गई। पुलिस ने इस मामले में आसपास के लोगों से पुछताछ की तो पता चला कि दोनों पति-पत्नी के बीच वारदात के पहले जमकर विवाद हुआ था। पुलिस को महिला की लाश के पास ही सीमेंट से भरी बाल्टी भी मिली थी। जिससे मारकर हत्या हुई है। साथ ही लाश के आसपास खून भी बिखरा हुआ था। इस मामले में फोरेंसिक की टीम ने मौके पर जाकर सबूत जुटाए और महिला की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी में भेजवा दिया है। वहीं आरोपी पति पत्नी की हत्या कर फरार हो गया था।

कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में कृषि व किसानों के विकास में कृषि विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान : मंत्री नेताम

रायपुर(समय दर्शन)। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि मेहनतकश किसानों को सक्षम बनाने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं कृषि वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी का परिणाम है कि आज किसान उन्नत कृषि तकनीक का उपयोग कर आत्मनिर्भर बन रहे है और खुशहाली की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के विकास और किसानां की समृद्धि में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का अहम योगदान है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित अनुसंधान एवं प्रसार प्रौद्योगिकी ने छत्तीसगढ़ के किसानों को सक्षम बनाने का काम किया है। मंत्री नेताम सोमवार को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 39वें स्थापना दिवस पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बरामूला (जम्मू-कश्मीर) के संयुक्त तत्वावधान में ''कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल'' विषय पर आयोजित

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ कर रहे थे। नेताम ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आव्हान किया कि वे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय पहचान देने के लिए उत्कृष्टता के साथ कार्य करें। कृषि मंत्री नेताम ने इस अवसर पर कहा कि 20 जनवरी 1987 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना के समय छत्तीसगढ़ में कृषि एवं संबद्ध विषयों से संबंधित केवल तीन महाविद्यालय संचालित थे। आज यहां 47 शासकीय कृषि एवं संबद्ध महाविद्यालय तथा 15 निजी महाविद्यालय संचालित हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपने ज्ञान और उत्कृष्टता की धाक जमाई है। यह गर्व की बात है कि इसी विश्वविद्यालय में छात्र और प्राध्यापक रहे डॉ. गिरीश चंदेल आज इस विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय का आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं और विश्वविद्यालय के अन्य प्राध्यापक डॉ. आर.आर. सक्सेना महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति पद को सुशोभित कर रहे हैं। नेताम ने विश्वविद्यालय की स्थापना के 38 वर्ष की विकासयात्रा पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की स्थापना 20 जनवरी 1987 को हुई थी। इस विश्वविद्यालय को छत्तीसगढ़ प्रदेश में कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार की जिम्मेदारी दी गई है, जिसे विश्वविद्यालय अपने 28 कृषि महाविद्यालय, 4 कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, 1 खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, 08 अनुसंधान केन्द्र एवं 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से संचालित कर रहा है।

स्वच्छता दीदियों को अब मिलेंगे 8 हजार

सीएम विष्णुदेव साय ने की घोषणा

103 परिजनों को सौंपें अनुकम्पा नियुक्ति पत्र, करोड़ों के कार्यों का किया लोकार्पण-शिलान्यास

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को दीनदयाल ऑडिटोरियम में आयोजित नगरीय विकास सोपान कार्यक्रम में पहुंचे। जहां उन्होंने स्वच्छता दीदियों के मानदेय बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि, स्वच्छता दीदियों को अब पहले 7200 रुपये मानदेय मिलता था। लेकिन अब उन्हें 8000 रुपए महीना मानदेय दिया जाएगा। इससे 10 हज़ार स्वच्छता दीदियों को इसका लाभ मिलेगा। निकाय चुनाव की घोषणा के पहले सीएम विष्णुदेव साय ने 6 नगरीय निकायों में 270 करोड़ की जल प्रदाय योजना का शिलान्यास किया, 155.38 करोड़ के 813 कार्यों का शिलान्यास किया, 15.25 करोड़ के 70 कार्यों का लोकार्पण किया। वहीं 102 पदों पर अनुकम्पा नियुक्ति पाने वालों को नियुक्ति पत्र वितरण किया। सीएम साय ने कुल 440.63 करोड़ की विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी है। सीएम साय ने कि, आज का दिन बहुत ऐतिहासिक दिन है। 6 नगरीय निकायो में अमृत मिशन के तहत शिलन्यास हुआ है। जहां 270 करोड़ की लागत से इसका काम शुरू होगा। इससे लोगों को अपने घरों में शुद्ध पेयजल मिलेगा।

कांग्रेस की तैयारी पूरी- पीसीसी चीफ ने किया निकाय-पंचायत चुनाव जीतने का दावा...

रायपुर(समय दर्शन)। पंचायतों एवं नगरीय निकाय चुनाव कार्यक्रम घोषित होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की चुनावी तैयारियां पूरी है। हमें भरोसा है चुनाव में जनता का आर्शिवाद कांग्रेस पार्टी को मिलेगा। हमारे प्रभारी, पर्यवेक्षक वार्डों में बैठकें ले रहे है। हम मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। दीपक बैज ने कहा कि नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव परिणाम एक साथ घोषित होना चाहिये। नगरीय निकाय एवं पंचायतों के चुनाव कार्यक्रम एक साथ घोषित किये गये है। निकायों के परिणाम 15 फरवरी को आयेंगे। पंचायतों के परिणाम 18, 21, 24 फरवरी को घोषित होंगे। जब एक साथ चुनाव की अधिसूचना जारी हुई है। आचार संहिता एक साथ लगी है। पंचायतों एवं निकायों के परिणाम एक साथ घोषित होना चाहिये। अमूमन निर्वाचन

आयोग अलग-अलग राज्यों के चुनाव कार्यक्रम जब भी घोषित करता है तो भले मतदान अलग-अलग तिथि पर हो, परिणाम एक साथ ही आते है। एक साथ परिणाम के लिये महीने भर तक का भी इंतजार किया जाता है। यहां पर 9 दिन इंतजार क्यों नहीं किया जा सकता? उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में कांग्रेस ने अधिकांश नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में जीत हासिल की थी। प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ वातारण है। लोग प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था, रोज हो रही हत्याओं, बलात्कार, लूट, चाकूबाजी की घटनाओं के कारण सरकार से निराश है, भाजपा की साय सरकार ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में जनता को निराश किया है। विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने जनता से जो वादा किया था, एक साल में उसको पूरा नहीं किया है। न 500 रू. सिलेंडर देने का वादा पूरा किया और न ही 18 लाख आवास देने का वादा पूरा किया। भाजपा राज में बिजली के दाम बढ़ गये है। कांग्रेस शासनकाल में 400 यूनिट तक बिजली के दामों में 50 प्रतिशत छूट को भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश है, जनता भाजपा के खिलाफ निकाय चुनावों में मतदान करेगी।

ट्रैफिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखेगी टीम प्रहरी सीएम साय ने दिखाई हरी झंडी

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम परिसर से %टीम प्रहरी% दल के छह वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। राजधानी की सड़कों से अवैध गुमटियां और अतिक्रमण हटाने तथा ट्रैफिक व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के लिए जिला तथा पुलिस प्रशासन द्वारा यह पहल की है। उप मुख्यमंत्री अरूण साव और वन मंत्री केदार कश्यप भी इस अवसर पर उपस्थित थे। गौरतलब है कि व्यस्त

सड़कों पर अवैध गुमटियों और दुकान के बाहर सड़क पर सामान लगाने से ट्रैफिक अवरुद्ध हो जाता है। टीम प्रहरी के सदस्य ऐसे अतिक्रमण को हटाने का काम करेंगे। इस टीम में नगर निगम और पुलिस के कर्मचारी शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, खुशवंत गुरू साहेब, इंद्रकुमार साहू, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह तथा अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध संबंध के चलते एक युवक की हत्या

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी के माना क्षेत्र में अवैध संबंध के चलते पति-पत्नी ने मिलकर एक युवक की हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार माना थानाक्षेत्र के शारदा विहार कॉलानी टेमरी में रहने वाले करण बंजारे की पत्नी पुष्पा बंजारे का उसके ही दूर के रिश्तेदार संजय जांगड़े के साथ अवैध संबंध था। इस बात की जानकारी करण को थी और कई बार इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होता रहता था। संजय अक्सर करण की गैर मौजूदगी में उसकी पत्नी पुष्पा से मिलने आता था। रविवार रात को भी संजय शराब के नशे में पुष्पा से मिलने उसके घर पहुंचा था। इसी दौरान अचानक करण भी घर पहुंच गया और पत्नी के साथ संजय को देखकर आगबबुला हो गया और इस बात को लेकर तीनों के बीच जमकर विवाद हुआ। इधर पकड़े जाने के बाद पुष्पा ने भी संजय के आने का विरोध करना शुरू कर दिया। इसी बीच करण और संजय के बीच मारपीट शुरू हो गई। और करण ने गुस्से में आकर घर में रखे हथौड़े से संजय के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया जिससे संजय वहीं लहुलुहान होकर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद आस पड़ोस के लोगों ने पुलिस को फोन किया और सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के दौरान संगम पर एक साधु से आशीर्वाद लेती एक भक्त.

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद गेंदसिंह के शहादत दिवस पर उन्हें किया नमन

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अमर शहीद गेंदसिंह के शहादत दिवस पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री साय ने आजादी के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीद गेंदसिंह को याद करते हुए कहा कि परलकोट जमींदारी के जमींदार शहीद गेंद सिंह ने ब्रिटिश अधिकारियों के शोषण के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन का शंखनाद किया था। शहीद गेंद सिंह ने अंग्रेजों से लोहा लिया और अपने क्षेत्र में अंग्रेजी शासन की नीतियों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हम सभी शहीद गेंद सिंह का स्मरण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और समाज के उत्थान में अपना योगदान दें। बस्तर के आदिवासी भाई-बहनों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले मुक्ति आंदोलन के नायक शहीद गेंदसिंह का मातृभूमि की मुक्ति के लिए दिया गया अविस्मरणीय बलिदान हम सभी को देशसेवा के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा देते रहेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय हलबा हलबी आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ केंद्रीय महासभा के अध्यक्ष देवेंद्र महला, आई.आर. देहारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे

जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल जल्द शुरू होगा : स्वास्थ्य मंत्री

मुख्यमंत्री की मंशानुरूप तैयार हो रहा है सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

रायपुर(समय दर्शन)। बस्तर अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। जगदलपुर मेडिकल कॉलेज के सामने तैयार हो रहे इस सुपर स्पेशियलिटी अस्साल से बस्तर अंचल के लोगों को अत्याधुनिक इलाज की सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज, महारानी जिला चिकित्सालय और निर्माणाधीन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्माणाधीन अस्पताल को पूर्ण कराने और इस अस्पताल को जल्द शुरू करने के लिए सिटी स्कैन, एमआरआई अन्य चिकित्सा उपकरणों की शीघ्र व्यवस्था करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के

चिकित्सकों तथा अन्य पैरामेडिकल स्टॉफ के आवासीय व्यवस्था उपलब्ध कराने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने स्व. बलीराम कश्यप मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के शिशु वार्ड का विस्तार करने सहित सीसीटीवी के समुचित परिचालन हेतु ऑपरेटर नियुक्त किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जगदलपुर में नवजात शिशुओं के गहन चिकित्सा इकाई, शिशु वार्ड तथा सर्जिकल वार्ड का भी जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में आए मरीजों तथा उनके परिजनों से अस्पताल की सुविधाएं के बारे में जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने महारानी जिला चिकित्सालय एवं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अस्पताल के ओपीडी, आईपीडी और आईसीयू का निरीक्षण कर विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों से रूबरू हुए। उन्होंने मरीजों तथा उनके परिजनों से नि:शुल्क दवा योजना के साथ ही अस्पताल की सुविधाओं की जानकारी ली। श्री जायसवाल ने अस्पताल में साफ-सफाई, पर्ची काउंटर, हेल्पडेस्क काउंटर, मातृ शिशु केन्द्र, लेबर रूम, सिटी स्कैन सेन्टर सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। जायजा लिया और अस्पताल के दवा स्टोर पर दवाईयों की उपलब्धता की जानकारी ली। इस दौरान विधायक चित्रकोट विनायक गोयल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य चिकित्सक एवं अधिकारी मौजूद थे।

एनएचसी फूड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ में 384त्न की वृद्धि दर्ज की

मुंबई : विभिन्न कृषि उत्पादों, वस्तुओं और मसालों के अग्रणी निर्यातक एनएचसी फूड्स लिमिटेड ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ महीने के वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में कंपनी का पीएटी 384 प्रतिशत बढ़कर 208.33 लाख रुपए दर्ज किया गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 43.03 लाख रुपए था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन से आय 58 प्रतिशत बढ़कर 7352.97 लाख रुपए हुई, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के में 4649.69 लाख रुपए थी। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, कंपनी का पीएटी 384 प्रतिशत बढ़कर 614.30 लाख रुपए हुआ है, जो पिछले वर्ष इसी समयावधि में 126.88 लाख रुपए था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए परिचालन से आय 64 प्रतिशत बढ़कर 21,420 लाख रुपए हुई है, जो पिछले वर्ष 13,062 लाख रुपए थी। पिछली तीन तिमाहियों में, अस्थिर माहौल के बावजूद, एनएचसी फूड्स के प्रदर्शन ने कंपनी की टॉपलाइन और बॉटमलाइन दोनों पर मजबूत वृद्धि हासिल करने की उल्लेखनीय क्षमता दिखाई है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी 200.88 लाख, दूसरी तिमाही में 205.08 लाख और तीसरी तिमाही में 208.33 लाख रुपए का लाभ हुआ, जो पूरे वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 234.74 लाख रुपए का मुनाफा पार कर गया है। इन परिणामों पर बोलते हुए कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक श्री सत्यम जोशी ने कहा कि तिमाही और नौ महीने की अवधि के दौरान एनएचसी फूड्स का प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद मजबूत टॉपलाइन और बॉटमलाइन विकास हासिल करने की असाधारण क्षमता को दर्शाता है। उत्पाद और बाजार विस्तार पर कंपनी का ध्यान वास्तव में उत्पादन, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान एवं विकास में रणनीतिक निवेश की ओर केंद्रित है, जो एक उज्ज्वल और टिकाऊ भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है। श्री सत्यम जोशी ने आगे कहा, मौजूदा राइट्स इश्यू का सफल समापन वास्तव में कंपनी के प्रबंधन और भविष्य की विकास संभावनाओं में निवेशकों और हितधारकों के विश्वास का प्रमाण है। अपने विस्तार और ब्रांड-निर्माण रणनीति के हिस्से के रूप में, एनएचसी फूड्स ने एक अत्याधुनिक तिल के बीज की सफाई और हलिंग फैसेलिटी स्थापित करने व अपने प्रमुख मसाला ब्रांड, 'साज़' को पुनर्जीवित करने के लिए बड़ी धनराशि आवंटित की है।

संपादकीय

निजी डेटा पर व्यक्तियों के अधिकार

समस्या बनी रही यह समझ है कि सरकार को हर तरह के डेटा पर अपना स्वामित्व बनाने का प्रयास कर रही है। जबकि बेहतर यह होगा कि नया कानून बनाने के अवसर का उपयोग नागरिक अधिकारों के संरक्षण की अवधारणा के मुताबिक हो। केंद्र के डिजिटल निजी डेटा संक्षरण (डीपीडीपी) विधेयक प्रारूप को लेकर पैदा हुए अंदेशों के पीछे एक वजह तो वर्तमान सरकार के पुराने रिकॉर्ड से पैदा हुआ अविश्वास है। समाज के एक बड़े हिस्से में धारणा गहरे बैठी हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार नागरिक जीवन के हर पहलू पर शिकंजा कसना चाहती है। बहरहाल, धारणाओं को छोड़ दें और आम जन की राय मांगने के लिए सार्वजनिक किए गए प्रारूप पर ध्यान दें, तो भी ये नहीं लगता कि सरकार का मकसद निजी डेटा पर व्यक्तियों के अधिकार को मजबूती प्रदान करना है। बल्कि लगता है कि वह सारे डेटा पर अपना नियंत्रण अधिक मजबूत करना चाहती है। इसका एक प्रमुख पहलू डेटा को देश से विदेश ले जाने को नियंत्रित करना है। प्रावधान किया गया है कि जो कंपनियां यूजर्स डेटा हासिल करती हैं, उन्हें देश का डेटा देश के अंदर ही रखना होगा। हालांकि सरकार की तरफ से यह सफाई भी दी गई है कि इस प्रावधान को सिर्फ कुछ जरूरी मामलों में लागू किया जाएगा। वे मामले कौन-से होंगे, इसका निर्णय संबंधित मंत्रालय करेंगे। आज दुनिया भर में ट्रेंड डेटा को देश में रखने के लिए कंपनियों को मजबूर करने का है। मगर उसके साथ ही डेटा पर पहला अधिकार संबंधित व्यक्ति का है, यह सिद्धांत भी तेजी से स्वीकार्यता हासिल करता गया है। मगर भारतीय प्रारूप में इस निर्णय का अधिकार सरकार हासिल करती दिखती है। एक अन्य प्रमुख प्रावधान बच्चों के इंटरनेट उपयोग से पहले माता-पिता की स्वीकृति को अनिवार्य बनाना है। यह कैसे होगा, इसकी जिम्मेदारी डेटा हासिल करने वाली कंपनियों पर डाल दी गई है। कंपनियों के मुताबिक यह बेहद मुश्किल काम है। कई विकसित देशों में भी इसे सुनिश्चित करना कठिन बना रहा है। वैसे इस प्रावधान के पीछे मकसद अच्छा है। लेकिन कुल समस्या प्रारूप को लेकर बन रही यह समझ है कि इसके जरिए सरकार को हर तरह के डेटा पर अपना स्वामित्व बनाने का प्रयास कर रही है। जबकि बेहतर यह होगा कि नया कानून बनाने के इस अवसर का उपयोग नागरिक अधिकारों के संरक्षण की अवधारणा के मुताबिक हो।

काम के घंटे नहीं, गुणवत्ता मायने रखती है

राजेश जैन

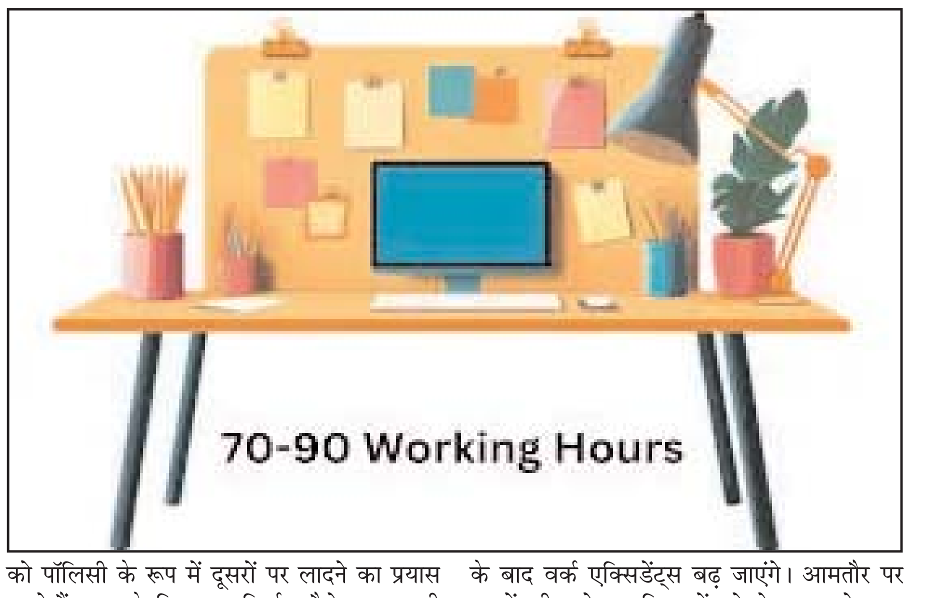

सप्ताह में काम के दिन और घंटों से जुड़ा विवाद एक बार फिर जोर पर है। बहुराष्ट्रीय कंपनी लार्सन एंड टूब्रो के चेयरमैन एस.एन सुब्रमण्यम ने इस बात पर अपनी बेबसी जाहिर की है कि वह अपने कर्मचारियों से सप्ताह में 90 घंटे काम नहीं करवा पा रहे हैं। उनके मुताबिक कर्मचारियों को रविवार के दिन भी काम में जुटे रहना चाहिए। इस बात के समर्थन में सुब्रमण्यन ने चीन के एक व्यक्ति से हुई बातचीत भी शेयर की। उन्होंने कहा-उस व्यक्ति ने दावा किया कि चीन, अमेरिका से आगे निकल सकता है क्योंकि चीनी एम्प्लॉई हफ्ते में 90 घंटे काम करते हैं जबकि अमेरिका में 50 घंटे काम करते हैं। कुछ समय पहले इनफोसिस के को-फाउंडर एन. आर. नारायणमूर्ति ने देश के नौजवानों को सलाह दी थी कि उन्हें सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। भारत के विकास के लिए त्याग की आवश्यकता है, न कि आराम की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हफ्ते में 100 घंटे काम करने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने कहा-जब प्रधानमंत्री मोदी इतनी मेहनत कर रहे हैं तो हमारे आसपास जो भी हो रहा है, उसे हम अपने काम के जरिए ही एप्रीशिएट कर सकते हैं। ऐसे बयानों से सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच किसी देश की या कंपनी की उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि वहां लोग कितनी देर तक काम करते हैं। क्या काम की मात्रा ही सब कुछ है या काम की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है? और जब बात गुणवत्ता की हो तो क्या यह संभव है कि जिन कर्मचारियों के जीवन में गुणवत्ता न हो, उनके काम में गुणवत्ता बनी रहे?

देखा जाए तो बिजनेस चलाने वालों की यह सोच रही है कि कर्मचारियों को अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रेरित किया जाए। व्यक्तिगत स्तर पर इस तरह के प्रयासों में कोई बुराई नहीं है जब तक कि संबंधित कर्मचारियों के सामने इसे स्वीकार करने या न करने की स्वतंत्रता बनी रहती है। दिक्कत तब खड़ी होती है जब वे अपनी इस सोच को पॉलिसी के रूप में दूसरों पर लादने का प्रयास करते हैं या इसके लिए राष्ट्र निर्माण जैसे मकसद की आड़ देते हैं। बात-बात में राष्ट्र का सवाल उठाने वाले इन बॉस लोगों को समझना चाहिए कि राष्ट्र के विकास के लिए सिर झुकाकर खटते रहने वाले युवाओं से ज्यादा अहमियत स्वतंत्र चेतना वाले युवाओं की है। ऐसे युवाओं की जो कार्यस्थल पर अपना बेस्ट देने के बाद इंसान के रूप में अपने विकास पर ध्यान देते हों और परिवार, आस पड़ोस तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी अच्छे से निर्वाह करते हों। हमारी संस्कृति में धर्म, अर्थ काम और मोक्षज्सभी को जरूरी माना गया है। इनमें किसी के बिना भी जीवन अधूरा है। सप्ताह में काम करने के लिए 48 घंटे रखे गए हैं तो इसके पीछे वजह भी है। जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए ही वर्क-लाइफबैलेंस जरूरी है।

वैसे भी आप क्या काम करते हैं, इस पर भी निर्भर करता है कि आप कितना काम कर सकते हैं। जैसे फ़िज़िकल या फ़ैक्टरी में वर्क, गाड़ी चलाने का काम हो या अकाउंट से जुड़ा काम, इनमें आप आठ घंटे तक काम करते हैं। ज़्यादा काम करेंगे तो थकने के बाद वर्क एक्सिडेंट्स बढ़ जाएंगे। आमतौर पर पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को मेहनत वाले काम में थकावट जल्दी होती है। इसी प्रकार लोग दफ़्तर में दबाव के बीच काम कर रहे हैं या पैशन के साथ काम कर रहे हैं, इस पर भी बहुत कुछ निर्भर करता है। अगर आप कंपनी के मालिक हैं तो आप किसी दबाव में काम नहीं करते हैं, आप मालिकाना हक़ के साथ अपना काम करते हैं जबकि एम्प्लॉई ज। इसी तरह से क्रिएटिव लोग 24 घंटे काम कर सकते हैं। आप जब काम नहीं करते हैं तब भी आपका दिमाग़ क्रिएटिव काम कर रहा होता है और आपको आइडिया आता है।

इस बारे में एक डॉक्टर मित्र से बात हुई। उनका भी कहना है- हमारे शरीर को एक निश्चित मात्रा में काम करने के बाद आराम भी करना होता है। ज़्यादा काम की वजह से हम कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। ज़्यादा काम या मेहनत करने से नींद पर असर होता है। शरीर को आराम नहीं मिलेगा तो आपके हार्मोन्स लगातार सक्रिय रहेंगे, इससे हमारा स्ट्रेस हार्मोन बढ़ेगा। यह आर्टेरी को सख़्त बनाता है, आपका बीपी बढ़ सकता है, मोटापा, शुगर, कॉलेस्ट्रॉल बढ़ने की संभावना होती है। हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक की आशंका भी बढ़ जाती है। आराम बीमारियों से लड़ने की हमारी क्षमता को भी प्रभावित करता है। इससे शरीर के अहम अंगों की रिकवरी भी होती है।

एडलवाइस म्यूचुअल फंड की एमडी और सीईओ राधिका गुप्ता ने हफ्ते में 100 घंटे काम करने का अपना एक्सपीरियंस सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- मैंने अपनी पहली नौकरी के दौरान अपने पहले प्रोजेक्ट पर लगातार चार महीनों तक हर हफ्ते 100 घंटे काम किया। तब रविवार के बजाय सोमवार को छुट्टी मिलती थी क्योंकि मुझे रविवार को क्लाइंट साइट पर होना था। उन्होंने बताया, तब मैं 90त्न समय दुखी रहती थी। मैं ऑफिस के बाथरूम में जाकर रोती थी। एक बार रात में 2 बजे रूम सर्विस से चॉकलेट केक खाया और 2 बार हॉस्पिटल में भी भर्ती हुई। खास बात यह है कि भले ही मैं 100 घंटे काम पर थी लेकिन मैं प्रोडक्टिव नहीं थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने लंबे समय तक काम करने को गलत बताया है। उन्होंने कहा- काम में क्वालिटी जरूरी है, उसकी क्वांटिटी नहीं। मुझे लगता है कि काम के घंटे बढ़ाना एक गलत बहस है। कई विकसित देश 8 से 4 बजे तक काम करते हैं लेकिन सुनिश्चित करते हैं कि वह उस समय प्रोडक्टिव हों। लोग टाइम पर आएं और काम में अपना बेस्ट दें। केवल जरूरी मीटिंग करें और इफेक्टिव होने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें। इससे पहले हाल ही में वर्क-लाइफबैलेंस पर गौतम अडाणी ने भी कहा था, 'आपका वर्क-लाइफबैलेंस मेरे ऊपर और मेरा आपके ऊपर थोपा नहीं जाना चाहिए। बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा कि काम की गुणवत्ता घंटों से कहीं अधिक मायने रखती है। अगर कोई सप्ताह में 70 या 90 घंटे भी काम करता है तो इसका असर परिवार, स्वास्थ्य पर पड़ेगा और इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी जबकि हमें पहले से कहीं अधिक दयालु, सौम्य दुनिया की जरूरत है।

बेरोजगारी और भी बढ़ेगी

कुमार समीर

इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने एक साल पहले युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी और अब निर्माण कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) के अध्यक्ष एस. एन. सुब्रमण्यम ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि कामगारों को हफ्ते में 90 घंटे काम करने को तैयार रहना चाहिए। इतने पर ही नहीं रु के, आगे कहा कि एक्स्ट्रा रिजल्ट के लिए एक्स्ट्रा काम करना होगा और इसके लिए रविवार को भी काम करना चाहिए। आखिर, घर में रह कर मजदूर बीवी का मुंह कितनी देर तक निहारते रहेंगे। अदानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदानी ने भी उनकी बातों का समर्थन करते हुए कहा कि अगर काम ही नहीं रहा तो बीवी घर से भाग जाएगी और फिर क्या होगा?

एल एंड टी के चेयरमैन के बयान के बाद देश में फिर से मजदूरों के काम के घंटे को लेकर बहस शुरू हो गई है। कॉरपोरेट जगत के अंदर भी इसका विरोध हो रहा है।

आरपीजी ग्रुप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका ने एल एंड टी चेयरमैन के बयान की आलोचना करते हुए कहा, एक हफ्ते में 90 घंटे काम? रविवार को %सन-ड्यूटी' क्यों न कहा जाए और %छुट्टी' को एक मिथकीय अवधारणा क्यों न बना दिया जाए! वर्क-लाइफ बैलेंस वैकल्पिक नहीं, बल्कि जरूरी है। यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि जब भारत में पहले से ही लोग सबसे ज्यादा काम करते हैं, तो क्यों कामगारों के घंटे बढ़ाने की बात उठती रहती है? अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारतीय सबसे ज्यादा काम करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति सप्ताह 46.7 घंटे, चीन में 46.01, ब्राजील में 39, अमेरिका में 38, जापान में 36.6, इटली में 36.3, ब्रिटेन में 35.5, फ्रांस में 35.9, जर्मनी में 34.2 और कनाडा में 32.5 घंटे मजदूरों से काम कराया जाता है। इन आंकड़ों के बावजूद भारत में काम के घंटे बढ़ाने के लिए जब-तब शिगूफा छोड़ा जाता रहा है। सच तो यह है कि पूरी बहस को इसलिए संचालित किया जा रहा है ताकि मोदी सरकार द्वारा मार्च, 2025 में लाए जाने वाले लेबर कोड, जिसमें काम के घंटे 12 कर दिए जाने हैं, की सामाजिक स्वीकृति हासिल की जा सके। इसके लिए बीच-बीच में इस तरह की चर्चाएं शुरू करवाने का ताना-बाना बुना जाता है। सच तो यह है कि दुनिया में काम के घंटे बढ़ाने के तकरे के विरुद्ध र्आिर्टफशियल इंटेलीजेंस के दौर में काम के घंटे कम करने की कवायद- कार्रवाई हो रही है। तमाम देशों में सप्ताह में चार दिन काम की पद्धति शुरू हुई है। जूम के मालिक एरिक युवान जैसे एआई इनोवेटर्स का मानना है कि एआई हर कंपनी के लिए चार दिन का कार्यसप्ताह हासिल करने की कुंजी होगा। उनके अनुसार चार दिन के वर्किंग में 92 प्रतिशत की सफलता दर है। जापान जैसे देशों में काम के घंटे लगातार कम किए जा रहे हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, जहां जापान में वर्ष 2000 में 1839 घंटे सालाना काम के थे वहीं उसे 2022 में घटा कर 1629 घंटे सालाना कर दिया गया। इससे लगभग वार्षिक काम के घंटे में 11.6 प्रतिशत की गिरावट आई। बेल्जियम, आइसलैंड, यूएई, स्पेन और नीदरलैंड जैसे देशों में चार दिन के कार्य दिवस सप्ताह में कर दिए गए हैं। जापान की रिक्रूट वर्क् ?स इंस्टिट्यूट के विश्लेषक ताकाशी सकामोटो के निष्कर्ष के अनुसार, देश में अब कई यूरोपीय देशों की तरह काम के घंटे कम किए जा रहे हैं। ऑटोनॉमी की एक रिपोर्ट के अनुसार, र्आिर्टफशियल इंटेलिजेंस आने के बाद ब्रिटेन में 88 प्रतिशत कंपनियां अपने कर्मचारियों के काम के घंटे 10 प्रतिशत तक कम कर रही हैं यानी कुल मिला कर कहा जाए तो दुनिया में काम के घंटे कम करने की दिशा में काम हो रहा है वहीं भारत, जहां पहले से ही काम के घंटे ज्यादा हैं, में उन्हें बढ़ाने की वकालत की जा रही है। दरअसल, देश में भीषण बेरोजगारी और महंगाई में मजदूरों की मजबूरी का फायदा उठा कर काम के घंटे 12 करने का कानून बनाया जा रहा है।

परमाणु हथियारों के अवैधानिक हस्तांतरण

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

पाकिस्तान के परमाणु बम के निर्माता अब्दुल कादिर खान के बारे में कहा जाता है कि इस शख्स ने परमाणु बम बनाने की तकनीक को उन देशों तक पहुंचा दिया जहां से आतंकवादी संगठन, आपराधिक समूह या अन्य अस्थिर समूह परमाणु सामग्री का उपयोग करके पूरी दुनिया में विनाशकारी हमले कर सकते हैं। सीआईए के पूर्व निदेशक जॉर्ज टेनेट ने एक बार कहा था कि खान उतना ही खतरनाक है, जितना कि ओसामा बिन लादेन। अब्दुल कादिर खान अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने लीबिया, उत्तर कोरिया, ईरान जैसे अस्थिर और अधिनायकवादी देशों को परमाणु तकनीक और सामग्रियों का अनधिकृत हस्तांतरण करके वैश्विक सुरक्षा को संकट में डाल दिया। डॉ. खान ने 1990 के दशक के अंत से 2003 तक लीबिया को गुप्त रूप से सेंट्रीफ्यूज प्लांट और परमाणु हथियार डिजाइन की आपूर्ति की जिससे वहां हथियार कार्यक्रम बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने 1990 के दशक में उत्तर कोरिया और ईरान को सेंट्रीफ्यूज तकनीक भी हस्तांतरित की थी। 1990 में ही खान की परमाणु प्रयोगशाला ने कथित तौर पर इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को पत्र भेजा था जिसमें परमाणु सेंट्रीफ्यूज बनाने में सहायता की पेशकश थी।

एक बार फिर पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठान से जुड़े घटनाक्रम पर दुनिया की नजर है। दरअसल, ऐसी खबरें सामने आई हैं, जिनमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर सक्रिय आतंकी समूह तहरीक-ए-तालिबान ने कुछ पाकिस्तानी वैज्ञानिकों का अपहरण कर लिया है। इन परमाणु वैज्ञानिकों का अपहरण खैबर पख्तूनख्वा से किया गया है। पाकिस्तान की सेना, आईएसआई और वहां की सरकार की विसनीयता को लेकर अमेरिका समेत दुनिया भर में अविश्वास रहा है लेकिन इसके बावजूद इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि दुनिया भर के आतंकी संगठन परमाणु बम बनाने की तकनीक प्राप्त करना चाहते हैं, इनमें अल-कायदा और आईएस का नाम सबसे ऊपर है। कम से कम दो पाकिस्तानी परमाणु वैज्ञानिकों ने 2000-01 में अल-कायदा के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी, हालांकि अभी तक साबित नहीं हो पाया है कि उन्होंने परमाणु संबंधी जानकारी साझा की थी। पाकिस्तान में परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर वैश्विक चिंताएं रही हैं। 2008 में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद अलबरदेई ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त की थीं लेकिन पाकिस्तान ने उनकी चिंताओं को खारिज कर दिया और दोहराया था कि उसका परमाणु शस्त्रागार सुरक्षित है। पाकिस्तान में परमाणु प्रतिष्ठानों और हथियारों की सुरक्षा वर्ष 2000 से देश के प्रमुख परमाणु संस्थान राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण (एनसीए) के एकीकृत नियंत्रण में है, जो दस सदस्यीय निकाय है। इसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष, रक्षा, आंतरिक और वित्त मंत्री, सामरिक योजना प्रभाग के महानिदेशक और सेना, वायुसेना और नौसेना के कमांडर शामिल हैं। परमाणु तैनाती के बारे में निर्णय लेने की शक्ति एनसीए के पास है। इसके अध्यक्ष, जो पाकिस्तान के राष्ट्रपति हैं, अंतिम वोट देते हैं। सेना, वायुसेना और नौसेना में से प्रत्येक के पास एक सामरिक बल कमान है, जो परमाणु हथियारों के उपयोग की योजना, नियंत्रण और निर्देशों के लिए जिम्मेदार है। सामरिक योजना प्रभाग एनसीए के सचिवालय के रूप में कार्य करता है। परमाणु क्षमता के विकास एवं प्रबंधन का प्रभारी है और दिन-प्रतिदिन नियंत्रण रखता है। पाकिस्तान में फौज का सभी संस्थानों पर गहरा नियंत्रण है, और सेना के अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर वहां कोई स्वतंत्र और पारदर्शी निकाय काम नहीं करता है। यह भी दिलचस्प है कि पाकिस्तान के प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान की सेना पर यूरेनियम की चोरी को ईरान को तस्करी के बड़े षड्यंत्र के तहत अंजाम देने का आरोप लगाया है। मिर्जा ने दावा किया है कि पाकिस्तान की सेना लंबे समय से गुप्त रूप से परमाणु प्रौद्योगिकी बेचती रही है, जिससे वैश्विक सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से इस घटना की स्वतंत्र जांच की अपील की है। पिछले साल जुलाई में खैबर पख्तूनख्वा गृह विभाग ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक यात्रा सलाह जारी की थी, जिसमें बढ़तीं आतंकी गतिविधियों के कारण टैंक, डेरा इस्माइल खान, लक्की मारवात और बन्नू जैसे क्षेत्रों में बढ़ते जोखिमों की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद भी वैज्ञानिकों के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात नहीं किए गए। खैबर-पख्तूनख्वा पाकिस्तान का सूबा है। इसे सूबा-ए-सरहद के नाम से भी जाना जाता है जो अफगानिस्तान की सीमा पर स्थित है। इसके दक्षिण में बलूचिस्तान है। बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा, दोनों प्रांतों में गहरी अशांति है, और आतंकी संगठन पाकिस्तान की सेना पर हमले करते रहते हैं। इन क्षेत्रों में कई कबाइली संगठन भी सक्रिय हैं, और भौगोलिक परिस्थितियां इतनी जटिल हैं कि मुजाहिद्दीनों से निपटने में पाकिस्तान की सेना नाकाम है। पाकिस्तान की सेना में धार्मिक संगठनों और कट्टरपंथ का गहरा प्रभाव है तथा आतंकी संगठनों को लेकर गहरे मतभेद हैं। पाकिस्तानी सेना के कई पूर्व अधिकारी तालिबान, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों को प्रशिक्षित करने में भूमिका निभाते रहे हैं। परमाणु हथियारों और उनसे संबंधित सामग्री की सुरक्षा के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा उपायों का पालन किया जाता है, जिनमें अत्याधुनिक निगरानी, चौकस सुरक्षा बल और अन्य तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान अपने हथियार कार्यक्रम के कारण परमाणु अप्रसार संधि से बाहर है, इसलिए उसे परमाणु संयंत्र या सामग्री के व्यापार से काफी हद तक बाहर रखा गया है। पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम जितना रहस्यमय रहा है, उससे ज्यादा खतरनाक पाकिस्तानी की परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर बदनीयती रही है।

कांग्रेस की इंडिया से लड़ाई की घोषणा

डॉ. कुलदीप चन्?द अग्निहोत्री

राहुल गान्धी भारतीय संसद में विपक्ष के नेता हैं। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भी नेता हैं। वैसे लोकलाज के लिए कर्नाटक के एक वयोवृद्ध व्यक्ति मल्लिकार्जुन जी को अध्यक्ष के रूप में घोषित किया हुआ है लेकिन सभी जानते हैं के 'लोकलाज' के बाद असली अध्यक्ष राहुल गान्धी ही हैं। राहुल गान्धी का एक गुण है। वे अपनी किसी बात को मन में छिपा नहीं पाते। इसलिए लोग उन्हें पप्पू भी कहते थे। जाहिर है कांग्रेस को अपने अध्यक्ष (वे इससे पहले आधिकारिक तौर पर पार्टी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं) के लिए यह विशेषण चुभता था। लेकिन इससे छुटकारा कैसे पाया जाए ? यह बडी समस्या थी। तब किसी 'भलेमानुस' ने सलाह दी कि राहुल गान्धी से एक लम्बी पैदल यात्रा करवाई जाए। यात्रा से ज्ञान बढ़ता है और लोगों से मिलने जुलने से व्यवहारिक बुद्धि भी बढ़ती है। पैदल यात्रा सही सलामत सम्पन्न हो गई। तब मीडिया ने भी लिखना शुरु कर दिया की राहुल गान्धी अब 'मैच्योर' हो गए हैं। उनकी बातें से ऐसा झलकने भी लगा है। पार्टी में ख़ुशियाँ छा गईं। पचास साल से भी ज्यादा उम्र हो जाने पर भी पार्टी ने अपने नेता व रहबर के 'मैच्योर' होने का भी बाक़ायदा सार्वजनिक रूप से जश्ननुमा उल्लास प्रकट किया। लेकिन उनमें सांसारिक व व्यवहारिक बुद्धि बढ़ी या नहीं, इस पर सन्देह बरक़रार रहा। व्यवहारिक आदमी या पार्टी जब किसी योजना को बनाती है, ख़ास कर ऐसी योजना जिसका क्रियान्वयन बहुत ही मुश्किल हो, उसका तब तक ख़ुलासा नहीं करती, जब तक उसके लिए पूरी तैयारी, साधन, सहायक इत्यादि जुटा न लिए जाएँ।

लगता है राहुल गान्धी यात्रा के बाद भी नहीं बदले। लेकिन अब उनको पप्पू नहीं कहा जा सकता, क्योंकि पप्पू से लोग किसी बडे काम या योजना की आशा नहीं करते। यदि कहना ही हो तो उन्हें 'भोला' कहा जा सकता है, जो बिना किसी छल कपट के अपनी सभी योजनाएँ अपने विरोधियों को भी बता देता है। राहुल गान्धी ने दो दिन पहले यही काम करके अपनी कांग्रेस पार्टी की अन्दरूनी योजना का ख़ुलासा कर दिया। कांग्रेस ने दिल्ली में अपना पुराना दफ़्तर छोड दिया है और अब नया दफ़्तर खोला है। इस अवसर पर राहुल गान्धी ने एक सच उगल दिया। उन्होंने कहा कांग्रेस भाजपा से लड रही है, आर एस एस से लड रही है। यहाँ तक तो ठीक था। सभी जानते हैं कि कांग्रेस भाजपा से लड रही है। चुनाव बगैरह में यह देखा ही जाता है। कांग्रेस आर.एस.एस से भी लड रही है, यह भी राहुल गान्धी कोई नई बात नहीं बता रहे थे। कांग्रेस तो नेहरु के वक़्त से ही कांग्रेस से लड रही है। लेकिन उसके बाद राहुल गान्धी ने कांग्रेस की भीतर की तैयारी का भी ख़ुलासा कर दिया। उन्होंने कहा दरअसल कांग्रेस तो 'इंडियन स्टेट' से लड रही है। अब कांग्रेस के लोग कह रहे हैं, राहुल गान्धी भोला है, किसी भी बात को छुपा कर नहीं रख पाता।

जब राहुल गान्धी अपनी पार्टी का यह घोषणा पत्र बता रहे थे तो सामने बैठे कांग्रेस के बुजुर्ग नेता सन्नाटे में थे। सारा गुड गोबर कर दिया। समय से पहले ही पार्टी की अन्दरूनी योजना जग जाहिर कर दी। अब लडाई कितनी मुश्किल हो जाएगी। दरअसल इंडिया स्टेट से की जाने वाली यह लडाई नई नहीं है। यह लडाई आठवीं शताब्दी में अरबों ने शुरु की थी। उसके बाद तुर्कों ने इसे जारी रखा। इसके बाद मुगल आए। उसके साथ ही पुर्तगालियों ने इंडिया सटेट के खिलाफयह लडाई जारी रखी। पुर्तगाल के बाद फ़्रांस और ब्रिटेन ने इंडिया स्टेट के खिलाफ लडाई जारी रखी। 1947 में अंग्रेज़ कांग्रेस को सत्ता का हस्तान्तरण करने के बाद यहाँ से चले गए। तब भारत के लोगों ने समझा था कि शताब्दियों से चली आ रही इंडिया स्टेट के खिलाफयह लडाई समाप्त हो गई है। लेकिन अब 'इंडियन नैशनल कांग्रेस' के सर्वेसर्वा राहुल गान्धी ने यह रहस्योद्घाटन करके सबको चौंका दिया है कि कांग्रेस तो वास्तव में इंडियन स्टेट से ही लड रही है। सबसे दुख की बात तो यह है कि जिस पार्टी का नाम 'इंडियन' है य वही पार्टी 'इंडियन स्टेट' से लड रही है। इससे तो लगता है कि पार्टी ने अपने नाम के आगे इंडियन और नैशनल, जो दो शब्द लगा रखे हैं, वे आम लोगों को धोखा देने के लिए है। वैसे राहुल गान्धी ने यह ख़ुलासा नहीं किया कि पार्टी ने इंडियन स्टेट के खिलाफ जो लडाई छेड़ रखी है, वह 1947 से ही चली हुई है या फिर जब से कांग्रेस पर सोनिया गान्धी परिवार का कब्जा हुआ है, तब से पार्टी ने अपना ध्येय और रास्ता बदला है। देश में और भी कई संगठन हैं जिन्होंने इंडियन स्टेट से युद्ध की घोषणा कर रखी है। उदाहरण के लिए विविध नक्सलवादी ग्रुप हैं, कुछ चरमपंथी इस्लामी संगठन मसलन आई एस आई एस हैं, इसके अतिरिक्त 'भारत तेरे टुकड़े होंगे हज़ार' का उद्देष्य लेकर काम करने वाले छोटे छोटे समूह हैं। विदेशों की कुछ नाम अनाम शक्तियों ने भी इंडियन स्टेट के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। चीन तो सीमा पर हमला ही करता है। इस पृष्ठभूमि में राहुल गान्धी का रहस्योद्घाटन सचमुच चिन्ता पैदा करता है। इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूह व पार्टियाँ खुल कर काम कर रही थीं। इससे भारतीय उसका मुक़ाबला भी करते हैं। लेकिन अब राहुल गान्धी का कहना है कि उनकी पार्टी भी इसी काम में लगी हुई है। इसलिए यह सारा मामला गंभीर हो जाता है और सरकार को बाक़ायदा इस की जाँच करवाने चाहिए कि कांग्रेस ने क्या इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूहों से गठजोड़ तो नहीं बना लिया है ? यह तो अच्छा हुआ कि राहुल गान्धी ने अपने भोलेपन में पार्टी की इस भीतरी नीति का ख़ुलासा समय से पहले ही कर दिया, अन्यथा मामला और गंभीर हो जाता। अमेरिका में बैठे जार्ज सोरोस इंडियन स्टेट से लड ही रहे हैं। दो दिन के बाद भूतपूर्व हो जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने इस सेरोस को अमेरिका का सबसे बड़ा सम्मान देकर उसका क़द भी बढ़ाया है। विदेशों में ऐसे कई सेरोस हैं जो भारत से दुखी हैं। क्या इसे संयोग कहा जाए कि राहुल गान्धी जब भी विदेश यात्रा पर जाते हैं तो कोई नई योजना लेकर आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

100 बिस्तर मातृ-शिशु अस्पताल मुंगेली में पोषण पूर्नवास केन्द्र सुबह 100 बिस्तर मातृ-शिशु अस्पताल मुंगेली में संचालित का निरिक्षण

मुंगेली (समय दर्शन) 100 बिस्तर मातृ-शिशु अस्पताल मुंगेली में पोषण पूर्नवास केन्द्र सुबह 12:00 बजे 100 बिस्तर मातृ-शिशु अस्पताल मुंगेली में संचालित पोषण पूर्नवास केन्द्र में डॉ. प्रभात चन्द्र प्रभाकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती संजूला शर्मा एवं डॉ. एम.के. राय सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक स्वास्थ्य मिशन गिरीश कुर्रे, परियोजना अधिकारी गजेन्द्र गेंदले व अस्पताल प्रबंधक श्रीमती सूरभि केशरवानी के द्वारा पोषण पूर्नवास केन्द्र का निरिक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान 09 बच्चे व 09माता उपस्थित मिली मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा भोजन मेनु चार्ट व डॉक्टर ड्यूटी रोस्टर लगवाने के निर्देश दिये गये साथ ही खाद्य सामाग्रीयों का निरिक्षण किया गया जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा चिकित्सीय आहार को स्वंय चख कर देखा गया और बेहतर कार्य के लिए निर्देश दिये गये। निरिक्षण के दौरान डॉ. संदीप कुमार पाटिल (आर.एम.ओ.) डॉ. प्रदीप जायसवाल प्रभारी (शिशु रोग विशेषज्ञ) प्रभारी मेट्रन श्रीमती दिव्या मसीह श्रीमती मधुलिका सिंह, व फीडींग डीमोस्ट्रेटर डायटीशियन श्रेयसी सिंह, ज्योति मरावी (स्टॉफ नर्स) कुक प्रकाश यादव, अटेंडर पवन निर्मलकर उपस्थित थे।

8.64 करोड़ के बकायादार 518 लोग नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

मुंगेली (समय दर्शन) जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति से ऋण लेकर किश्त जमा नहीं करने वाले 518 बकायादार नगरीय निकाय या त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इन लोगों ने विभागीय योजनाओं के तहत 8.64 करोड़ रूपए का ऋण लिया है। अंत्यावसायी विभाग के कार्यपालन अधिकारी देवेन्द्र जांगड़े ने बताया कि जिला निर्वाचन विभाग, जिला व जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को उक्त बकायादारों की सूची भेज दी गई है। इनमें अनुसूचित जाति के 310, अनुसूचित जनजाति के 59, अन्य पिछड़ा वर्ग के 57, सफाई कामगार वर्ग के 73 और अल्पसंख्यक के 19 लोग शामिल हैं। इन बकायादारों को पंच, सरपंच, जनपद सदस्य, पार्षद आदि पदों पर चुनाव लड़ने के लिए अंत्यावसायी विभाग से ऋण मुक्त होने के संबंध में एनओसी प्राप्त करना होगा।

मोतिमडीह अवैध रूप से गांजा ले जा रहे दो आरोपियों में से एक फरार हुए आरोपी को बोराई पुलिस ने किया गया गिरफ्तार

उक्त अवैध गांजा परिवहन के मामले में एक आरोपी को पूर्व में ही तत्काल किया जा चुका था गिरफ्तार

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। संक्षिप्त विवरण-: थाना बोराई के अप0क्र0 04/24 धारा 20 (ख) नारकोटिक एक्ट के प्रकरण में दिनांक 18.02.24 को ग्राम मोतिमडीह मोड़ के पास दो व्यक्ति गांजा बेच रहे कि सूचना पर हमराह स्टॉफके साथ मय शासकीय वाहन के रवाना होकर मोतिमडीह मोड़ के पास पहुंचे तो एक व्यक्ति प्रेमलाल गोड़ पिता पीलू गोड़ उम्र 48 वर्ष सा0 रावनागुड़ा, थाना कुंदई, जिला नवरंगपुर, (उड़ीसा) का पुलिस को देखकर भाग गया था दुसरा व्यक्ति पकड़ा गया था जिसके पास से कुल वजनी 05 किलो 400 ग्राम मनोउत्तेजक मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर फरार आरोपी का गिरफ?तार करने लगातार प्रयास किया जा रहा था। तभी मुखबिर से सूचना मिली की आरोपी अपने घर आया हुआ है की सूचना प्राप्त होने पर थाना बोराई पुलिस द्वारा आरोपी के घर दबिस देकर घेरा बंदी कर आरोपी प्रेमलाल गोड़ को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

35 वॉ सड़क सुरक्षा माह के तहत थाना दुगली द्वारा ग्राम दिनकरपुर एवं थाना नगरी द्वारा ग्राम मोदे में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत यातायात नियमों की दी गई जानकारी

धाना नगरी द्वारा ग्राम मोदे एवं थाना दुगली द्वारा ग्राम दिनकरपुर में ग्राम वासियों को सायबर फ्रॉड के बढ़ते अपराध की रोकथाम,महिला संबंधी अपराध एवं नशा के दुष्प्रभाव के संबंध दी गई जानकारी

वाहनों के गति नियंत्रण, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने थाना दुगली के सामने ड्रम में रेडियम रिफ्लेक्टर टेप लगाकर बनाया गया जिग-जैग

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 35 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अनुविभाग स्तर पर भी सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शैलेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में ग्राम दिनकरपुर,एधं ग्राम मोदे में सामुदायिक पुलिसिंग का आयोजन किया गया कार्यक्रम में उपस्थित आये ग्रामीणजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि दोपहिया एवं चारपहिया चलाने व बैठने के दौरान हमेशा हेलमेट सीटबेल्ट का उपयोग किया जाना चाहिए, जिससे सड़क दुर्घटना घटित होने पर गंभीर चोंट लगने की संभावना 70 प्रतिशत कम हो जाती है, एवं 40 प्रतिशत मृत्यु में कमी होती है। थाना दुगली द्वारा ग्राम दिनकरपुर में सामुदायिक पुलिसिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ग्राम सरपंच ग्राम प्रमुख एवं जनपद अध्यक्ष तथा गांव एवं ग्रामवासी महिला पुरुष उपस्थित आए एवं बच्चों को भी पढ़ाई के संबंध में जानकारी देने हेतु शिक्षक शिक्षिका अपने बच्चों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उक्त कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं के द्वारा कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था जिसमें ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को अपना मित्र समझ कर ज्यादा से ज्यादा सहयोग किये जाने के संबंध में चर्चा की गई एवं ग्रामीणों को लूंगी वितरण किया गया। यातायात सुरक्षा के संबंध मे भी बताया गया की मार्ग में लगे सांकेतिक बोर्ड का पालन करना चाहिए, जिससे यात्रा सुगम व सुरक्षित रहती है, साथ ही सायबर फ्राड, बढ़ते अपराध की रोकथाम, महिला संबंधी अपराध, नशा के दुष्प्रभाव के संबंध में बताया गया। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से थाना दुगली के द्वारा थाना के सामने वाहनों की गति नियंत्रण के लिए ड्रम में रेडियम रिफ?लेक्टर टेप लगाकर मुख्य मार्ग में जीग जैग बनाकर लगाया गया है। उक्त कार्यक्रम में थाना प्रभारी नगरी निरीक्षक शरद ताम्रकर एवं नगरी थाना स्टॉफथाना प्रभारी दुगली निरीक्षक श्री टूमन लाल डडसेना, प्रआर.पूरन साहू, प्रआर. सत्येन्द्र दीक्षित, आरक्षक मानक साहू, चालक आरक्षक यीश कुमार टण्डन आदि उपस्थित रहें।

36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के 20वें दिन बस स्टैंड मुंगेली में यातयात कार्यालय में नेत्र तथा स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह2025 के 20वें दिन बस स्टैंड मुंगेली मे यातयात कार्यालय मे नेत्र तथा स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत सभी ऑटो चालक बस वाहन चालक एवं अन्य चालकों का यातयात नियमों के माप दंड के अनुरूप नेत्र और स्वास्थ्य कराया गया जिसमे करीब 50 से अधिक ऑटो चालकों का और 40 से अधिक बस एवं अन्य चालकों ने अपने नेत्र एवं स्वास्थ्य का परिक्षण कराया जिसमे करीब 20 से अधिक ऑटो चालकों के चश्मे का नंबर बदलने को कहा गया तथा अन्य को सामान्य इलाज किया गया और सावधानी रखने कि सलाह दी गई इस शिविर का उद्देश्य लोगोँ मे अपने स्वस्थ य के प्रति जागरूकता लाने ख़ास कर वाहन चालकों मे जागरूकतालाना है ताकि वे ड्राइविंगके समय अपने स्वास्थ्यगत खामियों के कारणकिसी दुर्घटना का शिकार ना हों उपरोक्त शिविर मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोरपुरा से डॉक्टर प्रणयम वैष्णव, हेमंत मिश्रा ग्रामीण चिकित्सा अधिकारी पंडारभ ठा, हेमशा मरावी स्टॉफ नर्स मुंगेली, सुनील साहू फ़ार्मासिस्ट पी एच सी मुंगेली, नेत्र सहायक अधिकारी संतोष सिंह साथ मे यातयात विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे

आदर्श आचार संहित लागू होने पर राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित

मुंगेली (समय दर्शन) निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 अंतर्गत जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल देव के निर्देशानुसार जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर जी. एल. यादव और उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मेनका प्रधान ने नगरीय निकायों एवं पंचायत निर्वाचन के लिए सूचना प्रकाशन, नाम निर्देशन, संविक्षा, अभ्यर्थिता वापस लेने, मतदान और मतगणना की तिथि आदि के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही जिले के नगरीय निकायों एवं पंचायतों में कुल मतदाताओं की संख्या, आरक्षण, एमसीसी, इव्हीएम आदि के संबंध में बताया। इस दौरान मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नगरीय निकाय निर्वाचन : इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में प्रसारित राजनैतिक विज्ञापनों का प्रमाणन जरूरी

मतदान से अंतिम 48 घंटे पहले प्रकाशित होने वाले प्रिंट मीडिया विज्ञापनों का भी कराना होगा प्रमाणीकरण

मीडिया प्रमाणन एवं मीडिया अनुवीक्षण समिति को देना होगा आवेदन

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ नगरीय निकाय निर्वाचन के दौरान महापौर और नगरपंचायतों में अध्यक्ष पदों के लिए निर्वाचन लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देश अनुसार मतदान के अंतिम 48 घंटों में प्रकाशित होने वाले सभी राजनैतिक विज्ञापनों का प्रमाणन, मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से अनिवार्य रूप से कराना होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया में राजनैतिक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जारी किए जाने वाले विज्ञापनों का प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री नम्रता गांधी ने जरूरी निर्देश भी जारी किए है।

धमतरी जिले में नगरनिगम में महापौर और नगर पंचायतों में अध्यक्ष पदों पर निर्वाचन के लिए 11 फरवरी मंगलवार को मतदान होगा। इसे देखते हुए 9 फरवरी और 10 फरवरी को प्रिंट मीडिया में प्रकाशित किए जाने वाले तमाम राजनीतिक विज्ञापनों को जिला पर गठित प्रमाणन व मीडिया निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पूर्व-प्रमाणीकरण कराना अनिवार्य है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए है। इन दोनों दिन राजनीतिक लाभ लेने व मतयाचना के लिए राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों द्वारा समाचार-पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराया जाता है।

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हर जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर एमसीएमसी कमेटी गठित है। नगरीय निकाय निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशी अपने राजनीतिक विज्ञापनों को जिला स्तरीय समिति से प्रमाणीकरण करा सकते हैं। इसके लिए प्रत्याशियों को विज्ञापन के प्रारूप की तीन प्रतियों के साथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मीडिया प्रमाणन का मूल आधार आदर्श आचार संहिता के पालन से जुड़ा है। मीडिया में ऐसा कोई विज्ञापन नहीं दिया जाएगा जो सामाजिक समरसता को बिगाड़ने अथवा तनाव को बढ़ाने, शांति भंग करने, संविधान और कानून के विपरीत, नैतिकता, सदाचार के विपरीत हो। किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाले विज्ञापनों के प्रकाशन पर भी रोक रहेगी। कलेक्टर ने बताया कि मतदान के 48 घंटे पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों का समिति द्वारा प्रमाणन कराया जाना आवश्यक है।

श्रीराम कथा जो ध्यान से सुनते हैं वहीं प्रभु की प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा स्वरूप है : रंजना साहू

ग्राम श्यामतराई में आयोजित श्रीरामचरित मानस महोत्सव के समापन दिवस पर संध्या महाआरती में शामिल हुई पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी-ग्राम श्यामतराई धमतरी में त्रिदिवसीय संगीतमय मानस गान महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू समापन दिवस पर संध्याकालीन महाआरती में शामिल हुई एवं समस्त ग्रामवासियों को आयोजन के लिए बधाई दिए। श्रीराम चरित मानस कथा में प्रदेश के ख्याति प्राप्त मंडलियों के द्वारा भगवान श्री राम की कथा का गुणगान किए, जिसका श्रीराम भक्तों ने मंत्र मुक्त होकर श्रवण किए, अतिथि उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि प्रभु श्रीराम हम सबके आदर्श है उनके जीवन चरित्र को आत्मसात कर अपने जीवन को कृतार्थ करे, जो ध्यान से आराध्य प्रभु श्रीराम की कथा सुनते हैं वहीं प्रभु की प्रति श्रद्धा स्वरूप है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि प्रभु की भक्ति में वह शक्ति होती है जिसे हमारा मानव जीवन उद्धार की ओर अग्रसर होता है, मोक्ष की प्राप्ति के लिए लोग इधर-उधर भटकते हैं जबकि धार्मिक आयोजनों में श्रीराम कथा रसपान प्रभु की भक्ति में लीन होकर सुनने मात्र से हमारा जीवन मोक्ष प्राप्ति कर सकता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद सदस्य जागेश्वरी साहू, धनेश्वरी साहू, उमेश चंद्र साहू, श्यामलाल पाले, मिलु राम साहू, बसंत सोरी, सोमनाथ साहू, अनूप गुरुपंच, दीनदयाल साहू, मिलाप मेश्राम, सूर्यकांत साहू, खेमलाल साहू, भोला महमल्हा, शत्रुघ्न साहू, डोमेश्वर हिरवानी, अशोक जेठुमल, लक्ष्मीकांत साहू, आत्माराम साहू, निरंजन साहू सहित बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे।

निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील

कलेक्टर ने मीडिया प्रतिनिधियों की ली बैठक

मुंगेली (समय दर्शन) निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 की कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल देव ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में मीडिया के प्रतिनिधियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों में निर्वाचन सूचना प्रकाशन 22 जनवरी, नाम निर्देशन 22 से 28 जनवरी, संविक्षा 29 जनवरी, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 31 जनवरी निर्धारित की गई है। नगरीय निकायों में मतदान 11 फरवरी को होगा। इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन तीन चरणों में 17 फरवरी, 20 फरवरी और 23 फरवरी को सम्पन्न होगा। इनमें निर्वाचन सूचना प्रकाशन 27 जनवरी, नाम निर्देशन 27 जनवरी से 03 फरवरी, संविक्षा 04 फरवरी, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 06 फरवरी निर्धारित की गई है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का पूर्ण रूप से पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जाना है, इसमें सभी का सहयोग जरूरी है। ताकि पिछले बार की तरह इस बार भी शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराया जा सके। चुनाव में कानून व्यवस्था में बाधा पहुंचाने वाले तथा शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभा, जुलूस, रैली एवं लाउड-स्पीकर के लिए राजनैतिक दलों को सक्षम प्राधिकारी से पूर्वानुमति प्राप्त करनी होगी। राजनीतिक दलों द्वारा मतदान के लिए प्रलोभन देना, मतदान के अधिकार में बाधा पहुंचाना, मतदाता के रूप में किसी अन्य व्यक्ति की जगह अपने आपको प्रस्तुत करना, मतदान के बारे में गलत टिप्पणी करना आचार संहिता के नियमों के विपरीत है और इसके उल्लंघन पर निर्वाचन आयोग के नियमानुसार प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जिले के आम नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के साथ जिले के सभी मतदाताओं से मताधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष उपयोग करने तथा लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी की अपील की।

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा अवैध शराब एवं मादक द्रव्य पर नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी. एल. यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मेनका प्रधान, मुंगेली एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, पथरिया एसडीएम बी. आर. ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर अजय शतरंज सहित संबंधित अधिकारी और विभिन्न मीडिया के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

निकायों के 65968 और पंचायतों के 553518 मतदाता करेंगे मत का प्रयोग- नगरीय निकायों के 65 हजार 968 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे, इनमें 32 हजार 560 पुरूष मतदाता, 33 हजार 405 महिला मतदाता और 03 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायतों के 05 लाख 53 हजार 518 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे, इनमें 02 लाख 80 हजार 537 पुरूष मतदाता, 02 लाख 72 हजार 969 महिला मतदाता और 12 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। निर्वाचन संबंधी सहायता एवं शिकायतों के निराकरण किए जाने हेतु कमाण्ड सेंटर तैयार किया गया है, जिसका सम्पर्क नम्बर 9406275513 तथा 8641002203 है।

संक्षिप्त समाचार

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड – 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीने के लिए वित्तीय परिणाम

रायपुर। आज आईडीबीआई बैंक ने Q3 FY25 के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। Q3 FY25 के लिए शुद्ध लाभ 31% की मजबूत YoY वृद्धि के साथ 1,908 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,802 करोड़ रहा। एनआईएम 5.17% और शुद्ध ब्याज आय 23% की YoY वृद्धि करते हुए 4,228 करोड़ दर्ज हुई। Q3-2025 में जमा की लागत 4.63% रही, जो Q3-2024 में 4.34% थी। सीआरएआर 166 बीपीएस की YoY वृद्धि के साथ 21.98% रहा। Q3-2025 के लिए संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 29 बीपीएस वृद्धि के साथ 1.99% दर्ज किया गया, जो Q3-2024 में 1.70% था। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.13% रहा (56 बीपीएस की YoY वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 0.18% रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 0.34% था। सकल एनपीए 3.57% रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 4.69% था। पीसीआर 99.47% रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 99.17% था।

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म में से एक बनने के लिए की रणनीतिक साझेदारी

रायपुर। वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने तथा डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए की हुई एक अनूठी साझेदारी एयरटेल अपने सभी 370 मिलियन ग्राहकों को बजाज फाइनेंस की अधिकांश खुदरा वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करायेगा यह साझेदारी एयरटेल के मज़बूत डिजिटल प्लेटफॉर्म और ओमनी चैनल क्षमताओं को बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों के विविध समूह, एआई-संचालित रणनीति तथा मजबूत अंडरराइटिंग स्ट्रेन्थ के साथ जोड़ती है। नई दिल्ली/मुंबई, 21 जनवरी, 2025: भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल और देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस ने आज वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफार्मों में से एक बनने और वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस अनूठी साझेदारी में एयरटेल के 370 मिलियन का सक्रिय ग्राहक, 12 लाख से अधिक का विशाल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, तथा बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों का विविध समूह, और 5,000 से अधिक शाखाएं एवं 70,000 क्षेत्रीय एजेंट शामिल है । एयरटेल, बजाज फाइनेंस के खुदरा वित्तीय उत्पाद शुरुआत में अपने एयरटेल थैंक्स ऐप पर, और बाद में अपने स्टोर के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से भी उपलब्ध कराएगा, ताकि ग्राहकों को इस सुविधा का सहज और सुरक्षित अनुभव मिल सके। दोनो कंपनियों की डिजिटल परिसम्पतियों की संयुक्त ताकत एयरटेल और बजाज फाइनेंस को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाएगी। भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और एमडी गोपाल विट्टल ने कहा, एयरटेल और बजाज फाइनेंस, इस देश के दो भरोसेमंद नाम हैं, जो लाखों भारतीयों को वित्तीय जरूरतों के विविध पोर्टफोलियो के साथ सशक्त बनाने का साझा दृष्टिकोण रखते हैं। दोनों कंपनियों की संयुक्त पहुंच, पैमाना और वितरण शक्ति इस साझेदारी की आधारशिला के रूप में काम करेगी और हमें बाजार में सफल होने में मदद करेगी। हम एयरटेल फाइनेंस को कंपनी के लिए एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में विकसित कर रहे हैं और इसमें निवेश तथा इसका विकास करना जारी रखेंगे। आज हम पर एक मिलियन से अधिक ग्राहक अपना भरोसा जता रहे हैं। हमारा लक्ष्य एयरटेल फाइनेंस को अपने ग्राहकों की सभी वित्तीय जरूरतों के लिए वन-स्टॉप शॉप बनाना है।

बजाज फाइनेंस के प्रबंध निदेशक राजीव जैन ने कहा, भारत का डिजिटल इकोसिस्टम, डेटा-संचालित क्रेडिट अंडरराइटिंग और वित्तीय समावेशन के केंद्र में रहा है। एयरटेल के साथ हमारी साझेदारी न केवल समावेशी विकास के लिए भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाती है, बल्कि भारत के दो अग्रणी और सबसे भरोसेमंद ब्रांडों की विशेषज्ञता और पहुंच को भी एक मंच पर लेकर आती है। एयरटेल के साथ मिलकर, हम भारतीयों के लिए पसंदीदा फाइनेंसर बनना चाहते हैं और दूरदराज के इलाकों में भी लाखों लोगों तक ये सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं। हम एक ऐसे समय में एयरटेल के साथ साझेदारी करकर उत्साहित हैं जब बजाज फाइनेंस दक्षता बढ़ाने और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआई की शक्ति का उपयोग कर रहा है। अब तक एयरटेल थैंक्स ऐप पर बजाज फाइनेंस के दो उत्पादों का परीक्षण किया जा चुका है। मार्च तक एयरटेल थैंक्स ऐप पर बजाज फाइनेंस के चार उत्पाद ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे। इनमें गोल्ड लोन, बिजनेस लोन, को-ब्रांडेड इंस्टा ईएमआई कार्ड और पर्सनल लोन शामिल हैं।

कलेक्टर धर्मेश साहू की अध्यक्षता में निर्वाचन प्रशिक्षण आयोजित

नगरपालिका आम निर्वाचन का नाम निर्देशन 22 जनवरी से प्रारंभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) 21 जनवरी 2025/कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू की उपस्थिति में नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के आचार संहिता लागू होने के बाद 22 जनवरी से निर्वाचन प्रक्रिया को प्रारंभ करने के लिए सभी संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को कलेक्टर कार्यालय सारंगढ़ के सभाकक्ष में प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर धर्मेश साहू ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी अधिक अधिकारी कर्मचारी आदर्श आचरण संहिता के नियम अनुसार ही कार्य करेंगे। किसी व्यक्ति को लाभ या हानि पहुंचाने का कार्य नहीं करेंगे। किसी का आवेदन या दस्तावेज कमी है तो उसकी जानकारी और प्रकरण के निराकरण की जानकारी आवेदक को देना है। कलेक्टर ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को बैरिकेटिंग, स्टाफ़ फॉर्म, मुद्रण, शुल्क आदि की तैयारी के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिले में नगरपालिका आम चुनाव अंतर्गत जिले के बिलाईगढ़, सरिया, बरमकेला, भटगांव, सरसीवा और पवनी नगर पंचायत में नाम निर्देशन की प्राप्ति 22 जनवरी 2025 से प्रारंभ होकर 28 जनवरी 2025 तक की जाएगी। प्राप्त नाम निदेशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) रिटर्निंग ऑफ़िसर स्तर पर 29 जनवरी 2025 को किया जाना निर्धारित है। नगरीय निकाय हेतु अभ्यार्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 को निर्धारित किया गया है। नगरीय निकायों के लिए मतदान तिथि 11.02.2025 निर्धारित है तथा मतगणना रिटर्निंग ऑफ़िसर स्तर पर 15.02.2025 को संपन्न कराया जाना है। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे, जिनको जिला मास्टर ट्रेनर चूड़ामणि गोस्वामी ने निर्वाचन नियमावली और उसके प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

महासमुंद/समय दर्शन। नगरीय निकायों के निर्वाचन हेतु 22 जनवरी से नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया जाएगा। इस संबंध में जिले के समस्त नगरीय निकायों, महासमुंद, बागबाहरा, सरायपाली, बसना, पिथौरा एवं तुमगांव के रिटर्निंग ऑफ़िसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफ़िसरों को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण दिया गया। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रवि कुमार साहू ने इस अवसर पर कहा कि नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करते समय रिटर्निंग ऑफ़िसर द्वारा प्रारंभिक जांच कर लिया जाए तथा किसी तरह की कमी होने पर संबंधित व्यक्ति को चेक लिस्ट बनाकर सूचित किया जाए। ताकि निर्धारित समयावधि में उसके द्वारा वांछित जानकारी एवं प्रपत्र आदि दिया जा सके। जिला मास्टर ट्रेनर श्री तोषण गिरी गोस्वामी ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षण देते हुए बताया कि नाम निर्देशन हर दिन (अवकाश के दिनों को छोड़कर) प्रात: 10:30 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक लिया जाएगा। अभ्यर्थी के नाम निर्देशन पत्र में एक प्रस्तावक का हस्ताक्षर होना आवश्यक है। कोई भी अभ्यर्थी प्रारूप 3 में अधिकतम 02 सेट नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकता है। इसके साथ ही प्रारूप 3 क में शपथ पत्र दो प्रतियों में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जो प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट एवं नोटरी द्वारा प्रमाणित होगा। अध्यक्ष पद के लिए निक्षेप राशि नगरपालिका क्षेत्र के लिए 15 हजार रुपए तथा पार्षद के लिए 03 हजार रुपए होगा। इसी तरह नगर पंचायत क्षेत्र के लिए अध्यक्ष पद हेतु निक्षेप राशि 10 हजार रुपए तथा पार्षद के लिए एक हजार रुपए होगा। यदि अभ्यर्थी महिला, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसिचत जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का हो तो निक्षेप राशि आधी हो जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि शपथ पत्र का कोई भी कॉलम रिक्त नहीं होना चाहिए। जहां कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो वहां निरंक लिखा जाएगा पर खाली नहीं छोड़ा जाएगा। पार्षद पद के अभ्यर्थी की आयु नाम निर्देशन पत्र दाखिल करते समय कम से कम 21 वर्ष तथा अध्यक्ष पद के अभ्यर्थी की आयु कम से कम 25 वर्ष अवश्य होनी चाहिए। अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के तुरंत बाद व्यय संधारण संबंधी आदेश तथा निर्वाचन व्ययों के लेखा हेतु पंजी प्रारूप क, ख एवं प्रारूप ग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री रविराज ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री हरिशंकर पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सृष्टि चंद्राकर, डिप्टी कलेक्टर श्री आशीष कर्मा उपस्थित थे। वहीं समस्त रिटर्निंग ऑफ़िसर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गोमर्डा अभ्यारण के किसानों का अधिकार यथावत फिर रुकावट क्यों

सारंगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले का एक मात्र वन्य प्राणी अभ्यारण गोमर्डा जहां जिले की शान एवं पहचान है वही इस अभ्यारण क्षेत्र में बसे 28 गांव के किसान एवं गरीब मज़दूर परिवार पिछले 24 साल से परेशान हैं समय समय पर अभ्यारणवासियो ने अपनी समस्याओं को शासन प्रशासन को धरना आंदोलन आवेदन ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया लेकिन अब तक निराकरण हेतु उचित पहल प्रशानिक तौर पर नहीं की गई है जिससे अभ्यारण के लोग नाराज हैं।

क्यों नाराज हैं ग्रामीण- गोमर्डा अभ्यारण का गठन 30 अगस्त 1975 को 133.38 वर्गकिलोमीटर शामिल कर की गई तब इसकी सीमा में 11 गांव ही शामिल था बाद में 12 अप्रैल 1983 में इसका विस्तार कर 17 और गांव को शामिल कर लिया गया जिससे अभ्यारण का कुल क्षेत्रफल 277 वर्ग किलोमीटर हो गया ग्रामीणों को गोमर्डा अभ्यारण के गठन के दौरान 18 अक्टूबर 1995 में जारी उद्घोषणा में कलेक्टर ने किसानों के अधिकारों को यथावत रखने एवं ग्रामीणों अभ्यारण सीमा से विस्थापन नही करने का उल्लेख किया जिससे स्थानीय लोगों ने कोई आपत्ति नहीं की लेकिन 1996 में भूमि क्रय विक्रय के पंजीयन बंद कर दिए गए साथ ही वनोपज संग्रह यानि तेंदुपत्ता तोड़ने के लिए स्थानीय ग्रामीणों को अपात्र कर उनके संग्राहक कार्ड बनाना बंद कर दिया गया इससे सरकार द्वारा संचालित वनोपज आधारित योजनाओं का लाभ मिलना स्थानीय ग्रामीणों के लिए बंद हो गया।

जंगली जीव एवं हाथियों से फसल पर अल्प मुआवजा- गोमर्डा अभ्यारण के सीमा से लगे किसानों के खेत के फसल को वन्य जीव जंगली सुअर बायसन हिरन के साथ ही हाथी लगातार नुकसान कर रहे हैं लेकिन धान के समर्थन मूल्य के अनुसार किसानों को छतिपूर्ति राशि नहीं मिल पा रहा है वन्य जीवों की फसल चराई से इस क्षेत्र के किसान परेशान हैं।

बिजली का स्थाई कनेक्शन नहीं मिलना- गोमर्डा अभ्यारण के 28 गांव के साथ ही सहसपानी एवं आसपास के किसानों ने बिजली विभाग में सिंचाई पम्प के लिए बिजली विभाग के दफ्तर में स्थाई कनेक्शन के लिए आवदेन क्या है लेकिन विभाग के अधिकारी इन क्षेत्र के किसानों को स्थायी कनेक्शन नही दे रही है वहीं वन विभाग अस्थाई कनेक्शन पर आपत्ति कर रही है इससे भी किसान परेशान है जिससे नाराजगी बढ़ रही है।

छतिपूर्ति राशि मिलना भी बंद- 28 गांव के 22 सौ परिवारों को साल 2016 से 2018 तक चुनाव से पहले 2000- 2000 रुपए तेंदूपत्ता नही तोड़ने के एवज में रमन सरकार ने छतिपूर्ति राशि देना शुरू किया था लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बदली तो यह योजना भी बंद हो गया पांच साल बाद फिर सरकार बदल गई लेकिन अभ्यारण के इन गांव वालों को न तेंदूपत्ता तोड़ने का मिला और नही छतिपूर्ति राशि मिली है।

रामकुमार थुरिया, मंडल अध्यक्ष भाजपा- गोमर्डा अभ्यारण क्षेत्र के लोगों की मांग मेरी पहली प्राथमिकता है मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी को अपने क्षेत्र के समस्याओं से संबंध में अवगत कराकर निराकरण हेतु आवदेन दिए हैं।

मोतियाबिंद से पीड़ित 20 बुजर्गों का होगा नि:शुल्क इलाज

सारंगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम कनकबीरा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता भाजपा मंडल अध्यक्ष रामकुमार थुरिया की पहल से त्रिलोचन नेत्रालय संबलपुर के चिकित्सकों के टीम ने नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जिसमें विभिन्न गांव से 55 मरीज अपनी आंख की जांच कराने पहुंचे जहां 20 मरीजों में मोतियाबिंद के गंभीर लक्षण मिले जिन्हे आंखों से कम दिखलाई पड़ रहा था उन मरीजों के आपरेशन के लिए ओडिसा भेजा गया। क्षेत्र की मुद्दा ही नही बल्की क्षेत्र की जनता की स्वास्थय को लेकर सामजिक कार्यकर्ता रामकुमार थूरिया निरंतर लगे रहते पहले भी उन्होंने कई ऐसे बुजुर्ग है जिनकी आँखों की समस्या से परेशान चल रहे था उनका निशुल्क नेत्र जाँच परिक्षण करवा चुके है और अभी भी लगातार प्रयासरत है

बादाम के 8 छुपे हुए सेहतमंद फायदे : रितिका समद्दर

रायपुर। हर साल 23 जनवरी को नेशनल आमंड डे मनाया जाता है जो बादाम खाने के फायदों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का दिन है हम में से अधिकांश ने बचपन में अपनी माँ और दादी से सुना होगा कि बादाम खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है और यह बात अब वैज्ञानिक रूप से भी साबित हो चुकी है। 200 से अधिक वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह पुष्टि की है कि बादाम पोषण से भरपूर होते हैं और हमारी संपूर्ण सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। कैलिफोर्निया बादाम, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं इस खास मौके पर रितिका समद्दर, क्षेत्रीय प्रमुख- डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर नई दिल्ली ने बताया कि रोजाना के आहार में बादाम को शामिल करने के कुछ अनजान लेकिन महत्वपूर्ण फायदे हैं। आइए, इस बहुमूल्य जानकारी पर एक नज़र डालें और सेहत के लिए बादाम के लाभों को समझें। कैलिफोर्निया बादाम में 15 जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे मैग्नीशियम, प्रोटीन, रिबोफ्लेविन, जिंक, फाइबर और सेहतमंद फैट्स। ये पोषक तत्व संपूर्ण तंदुरुस्ती में योगदान देते हैं। भारतीयों के आहार के लिए आईसीएमआर-एनआईएन के दिशा-निर्देशों में बादाम को एक पौष्टिक नट के रूप में माना गया है, जिसे रोजाना खाना सेहत के लिए फायदेमंद है। बादाम में भरपूर मात्रा में विटामिन ई होता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। इसे त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाने के लिए जाना जाता है और इसके एंटी-एजिंग गुण भी होते हैं। कैलिफोर्निया बादाम प्रोटीन का समृद्ध स्रोत हैं, जो मांसपेशियों की वृद्धि और रखरखाव में मदद करता है। आईसीएमआर के दिशा-निर्देश संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से बादाम खाने की सलाह देते हैं। बादाम न केवल प्लांट-बेस्ड प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं, बल्कि यह एक सेहतमंद और पौष्टिक स्नैक भी है। बादाम में विटामिन बी12, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो भोजन को ऊर्जा में बदलने और आपको सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कमला कॉलेज में महिला डिजिटल साक्षरता पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में 7 जनवरी 2025 से 15 जनवरी 2025 तक महिला डिजिटल साक्षरता पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को डिजिटल युग की नई चुनौतियों और अवसरों से अवगत कराना, उन्हें साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन शिक्षा उपकरणों, कैरियर विकास और डिजिटल प्लेटफॉर्म के महत्व को समझाना था।

कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में हुआ। इस कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। 7 जनवरी 2025 को प्रोफेसर राजू खुंटे ने बेसिक कंप्यूटर और आईसीटी विषय पर कार्यशाला का आरंभ किया, जिसमें कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी के मूलभूत पहलुओं पर चर्चा की गई।

8 जनवरी को सुश्री हेमपुष्पा ने महिलाओं के लिए साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जिससे प्रतिभागियों को साइबर अपराध से बचने के उपाय और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहने की तकनीकों को समझने में मदद मिली।

9 जनवरी 2025 को श्रीमती प्रियंका दास ने ऑनलाइन शिक्षा उपकरण और फॉर्म भरने की प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाया। उन्होंने प्रतिभागियों को ऑनलाइन शिक्षा के विभिन्न उपकरणों का उपयोग और सरकारी व गैर-सरकारी योजनाओं के फॉर्म भरने की प्रक्रिया सिखाई।

10 जनवरी को रामअवतार ने प्रोफेशनल दस्तावेज और प्रेजेंटेशन कौशल पर अपने व्याख्यान में प्रतिभागियों को प्रभावशाली प्रेजेंटेशन तैयार करने और व्यावसायिक दस्तावेज बनाने की विधियों से अवगत् कराया।

11 जनवरी 2025 को श्रीमती रोहिणी ने कैरियर विकास के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रकाश डाला और कैरियर संबंधी विभिन्न अवसरों के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग कैसे किया जाए यह बताया।

कार्यशाला के अंतिम दो दिन 14 और 15 जनवरी को आशीष मंडले ने डेटा प्रबंधन, ऑनलाइन फॉर्म निर्माण और डिजिटल मार्केटिंग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे डेटा को सुरक्षित और व्यवस्थित रखा जा सकता है और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से कैरियर में नई संभावनाएं प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही डिजिटल जीवन-शैली से जुड़े मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता भी बढ़ाई।

कार्यशाला में कुल 100 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रथम स्थान इशा साहू (बीएससी द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान श्रुति यादव (बीएससी द्वितीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान गुंजन साहू (एमएससी रसायनशास्त्र) ने हासिल किया। इन सभी छात्राओं को प्रोत्साहन के रूप में मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. जयसिंह साहू और समन्वयक चंदन साहू के नेतृत्व में हुआ। आयोजन समिति के सदस्यों में कु. डाकेश्वरी साहू, श्रीमती शैलजा तिवारी और श्रीमती सानवी पंजवानी ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यशाला के सुचारू संचालन में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. बसंत कुमार सोनबेर, पीएम-उषा प्रभारी आलोक जोशी, डॉ. नीता एस. नायर, डॉ. निवेदित ए. लाल और कार्यालयीन कर्मचारियों जावेद सिद्दीकी, रमन साहू और धनेश कुमार पटेल का विशेष योगदान रहा।

कार्यशाला के समापन अवसर पर डॉ. जयसिंह साहू ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं सहायक प्राध्यापकों एवं आयोजन समिति के सदस्यों, कर्मचारियों और छात्राओं का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने इस कार्यशाला को महिला सशक्तिकरण और डिजिटल जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

इस कार्यशाला ने डिजिटल युग में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया और उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

खबर-खास

लोक शांति की सुरक्षा के लिए आग्नेय अस्त्र शस्त्र नजदीकी पुलिस स्टेशन में 7 दिन के भीतर जमा करने आदेश जारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दीपक कुमार अग्रवाल ने नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के दौरान लोक शांति की सुरक्षा के लिए लायसेंससियों से आग्नेय अस्त्र शस्त्र नजदीकी पुलिस स्टेशन में 7 दिन के भीतर जमा करने आदेश जारी किया है।आदेश में कहा गया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान भय एवं आतंक का वातावरण न हो सके तथा अस्त्र शस्त्र का दुरुपयोग होने से रोका जा सके।अत:आयुध अधिनियम 1959 के तहत गरियाबंद जिला सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले समस्त शस्त्र लायसेंसियों को अपने-अपने आग्नेय अस्त्र-शस्त्र नजदीकी पुलिस स्टेशन में 7 दिवस के अंदर जमा कराने आदेशित किया गया है। इसके अतिरिक्त लायसेंसी अपने शस्त्र डीलर जिनके पास शस्त्र डिपॉजिट करने अनुज्ञप्ति है,वहां भी जमा कर सकते है,जो व्यक्ति शस्त्र डीलर के पास शस्त्र जमा करते है,उसकी सूचना भी संबंधित थाने में प्रदान करेंगें। संबंधित शस्त्र डीलर थानेवार जानकारी तैयार कर संबंधित थाने में एवं दण्डाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।यह आदेश जिले में निवासरत सभी लायसेंसी तथा बाहर के जिले से आये लायसेंसी पर भी लागू होगा। सभी लायसेंसी आचार संहिता समाप्त होने के उपरांत अपने शस्त्र वापस प्राप्त कर सकेंगें।इस हेतु गठित जिला कमेटी द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार इस आदेश से समस्त मान्यता प्राप्त बैंकों के सुरक्षा गार्ड-वित्तीय संस्थाओं के सुरक्षा गार्ड,संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति,राष्ट्रीय रायफ्ल संघ व जिला रायफ्ल संघ तथा इस जिले के औद्योगिक संस्थानों,शैक्षणिक संस्थानों एवं महत्वपूर्ण शासकीय संस्थानों के सुरक्षा हेतु तैनात सुरक्षा गार्ड मुक्त रहेंगें।ऐसे अनुज्ञप्तिधारी व्यक्ति,जिनके पास सुरक्षा के लिहाज से शस्त्र होना अति आवश्यक है, अनुज्ञप्तिधारी के आवेदन पर कमेटी द्वारा विचार उपरांत इस आदेश से मुक्त रखने अथवा नहीं रखने के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा।जिला कमेटी को दिये जाने वाले आवेदन कलेक्ट्रेट गरियाबंद के कक्ष क्रमांक 18 लाइसेंस शाखा में दिया जा सकेगा।इस आदेश से वे सभी अनुज्ञप्तिधारी जिन्हे मुक्त रखा गया है,को भी अपने अस्त्र-शस्त्र की सूचना संबंधित थाने में आवश्यक रूप से तत्काल देनी होगी,तथा अपने अस्त्र बिना थाना प्रभारी की अनुमति के अपने परिसर की सीमा क्षेत्र से बाहर नहीं ले जा सकेंगें।आदेश में कहा गया है कि 20 जनवरी 2025 से नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन प्रक्रिया की समाप्ति तक के लिए, गरियाबंद जिला सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले शस्त्र लायसेंसियों के शस्त्र लायसेंस निलंबित किए जाते हैं। संबंधित थाना प्रभारी एवं संबंधित शस्त्र डीलर यह सुनिश्चित करेंगे कि इस तरह जमा किये जाने वाले शस्त्र का उचित रूप से पंजी बनाकर उसमें जमा किये जाने वाले शस्त्रों का इंद्राज करेंगे और शस्त्र जमा करने वालों को इस संबंध में पावती देंगे। जमा कराये गये शस्त्रों को समुचित रूप से अपने अभिरक्षा में सुरक्षित रखेंगे एवं निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्ति के पश्चात् एक सप्ताह के अंदर संबंधित अनुज्ञप्तिधारियों को शस्त्र लौटाना सुनिश्चित करेंगें।

जिले में सरसों तेल की गुणवत्ता की जांच के लिए नमूना भेजा

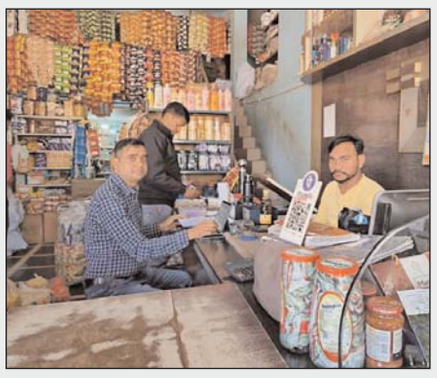

कवर्धा (समय दर्शन)। जांच के दौरान कन्हैया प्रोविजन एवं जनरल स्टोर्स, फार्चुन भवानी ट्रेडर्स और अग्रवाल किराना, उडियाखुर्द से सरसों तेल के तीन नमूने संकलित कर जांच के लिए रायपुर भेजा गया है। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार तथा अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला कबीरधाम में सरसों तेल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र कुमार नेले और खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार साहू ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कन्हैया प्रोविजन एवं जनरल स्टोर्स, फार्चुन भवानी ट्रेडर्स और अग्रवाल किराना, उडियाखुर्द से सरसों तेल के तीन नमूने संकलित किए गए। इन नमूनों को गुणवत्ता जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है। यह कदम सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि आम जनता को अच्छी गुणवत्ता का खाद्य तेल प्राप्त हो। राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों और विनिर्माताओं के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 और नियम विनियम 2011 के प्रावधानों के तहत उचित कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता बेसबाल बालिका वर्ग में मोहगांव की निशु बंजारे ने 14 वर्ष में गोल्ड व 19 वर्ष में मान्या विभोर ने सिल्वर मेडल जीता

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चौदह वर्षों से लगातार प्रथम तीन स्थानों पर मोहगांव के खिलाड़ियों का कब्जा

कवर्धा (समय दर्शन)। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय मोहगांव के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मेडल लाकर अपने गांव एवं जिले के साथ ही छत्तीसगढ़ का नाम भी रोशन किया है। साफ्ट बाल, बेसबाल जैसे खेलों में अपना खेल कौशल दिखाकर गोल्ड मेडल व सिल्वर मेडल पर कब्जा किया।

व्यायाम शिक्षक दिनेश वर्गिस ने बताया कि पिछले 14 सालों से लगातार विद्यालय से बेसबाल एवं साफ्टबाल की खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जाकर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर रहे हैं। वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता बेसबाल 14 वर्ष बालिका में निशु बंजारे ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं बेसबाल 19 वर्ष बालिका वर्ग में नांदेड़ महाराष्ट्र में आयोजित प्रतियोगिता में कुमारी मान्या विभोर ने सिल्वर मेडल प्राप्त कर गांव एवं जिले के साथ छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है।

श्री वर्गिस ने बताया कि मोहगांव विद्यालय से सॉफ्टबॉल, बेसबॉल, वॉलीबॉल जैसे खेलों में लगातार 14 वर्षों से विद्यालय से खिलाड़ी निकल रहे हैं, जिसमें सॉफ्ट बॉल बेसबॉल जैसे खेलों में स्वर्ण पदक रजत पदक एवं कांस्य पदक प्राप्त कर गांव एवं जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। खेल संसाधन के अभाव में भी इन खिलाड़ियों ने यह साबित किया है कि यदि आपके अंदर दृढ़ इच्छा और शक्ति है तो आप बिना साधन के किसी भी मुकाम को प्राप्त कर सकते हैं। इस उपलब्धि के लिए समस्त स्कूल स्टाफ एवं ग्रामवासियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

प्राचार्य को हटाने की मांग के साथ छात्रों ने किया कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

कवर्धा (समय दर्शन)। शास.उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय दुल्लापुर बाज़ार के प्रभारी प्राचार्य श्रीमती मंजुला तिवारी को हटाने की मांग के साथ 12 वीं के लगभग 70 छात्र छात्राएं जिला मुख्यालय आकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। मुख्य प्रवेश द्वार पर रोके जाने के बाद वहीं नारेबाजी करते हुए बैठ गए। इसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों के नहीं आने पर छात्र प्रवेश द्वार में प्रवेश कर गए और कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। वहीं कुछ छात्र कलेक्टर से मिलकर अपनी समस्याएं बताने की मांग पर घंटो बैठे रहे।

दुल्लापुर बाजार से आए परेशान छात्रों का कहना है कि प्रिंसपल द्वारा उनसे टायलेट साफकरने कहा जाता है और मना करने पर प्रेक्टिकल में नंबर काटने व टीसी देने की धमकी दी जाती है। ऐसे में वे कैसे पढ़ पाएंगे। क्या यही नई शिक्षा नीति है। इससे पहले भी उनके द्वारा 06 जनवरी को शिकायत करने के बाद 9 जनवरी को जाँच दल स्कूल आया और जांच करने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट सौंप दिया। लेकिन प्रभारी प्राचार्य के विरूद्ध अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। बल्कि दोषी प्राचार्य को बचाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है और उसे छुट्टी में भेज दिया गया है। वहीं दोषी शिक्षक को बचाने के लिए दूसरे स्कूल में भेज देने का आरोप भी लगाया गया है।

स्कूली छात्रों की शिकायत मिलने के दो दिन बाद ही वहां जांच दल भेजा गया था, जिसमें शिकायत सही पाई गई। जबकि स्कूल में स्वीपर पहले से ही है। ऐसे में बच्चों से टायलेट साफ करने बोलना सही नहीं है। आगे की कार्रवाई के लिए अनुशंसा के साथ संचालनालय भेजा गया है।

वायडी साहू
जिला शिक्षा अधिकारी

वन मंडल अधिकारी शशि कुमार ने नेशनल विजेता बॉडीबिल्डर सूरज को सम्मानित किया

कवर्धा (समय दर्शन)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 12 जनवरी 2025 को आयोजित डीबी क्लासिक बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता (नेशनल) में ब्रांस मेडल जीतने वाले कबीरधाम जिले के बाडी बिल्डर सूरज राजपूत को वनमंडल अधिकारी शशि कुमार ने सम्मानित किया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत देश के विभिन्न राज्य से करीब 300 से 350 खिलाड़ी भाग लिए, जिसमें जूनियर बॉडीबिल्डिंग, सीनियर बॉडीबिल्डिंग, वूमेन बॉडीबिल्डिंग और फिटनेस फिजिक्स का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में जिले के सूरज राजपूत ने बांस मेडल जीतकर कबीरधाम व छग का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के श्री सूरज राजपूत ने सीनियर वर्ग में भाग लिया। उन्होंने इस प्रतिस्पर्धा में (नेशनल) बॉडीबिल्डिंग में ब्रांस मेडल जीतकर छत्तीसगढ़ तथा कबीरधाम जिले का नाम रोशन किया।

वन मंडल अधिकारी शशि कुमार ने सूरज राजपूत को इस जीत के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

संरक्षित बैगा जनजाति गुमशुदा व्यक्ति की बिजली करेंट लगने से मृत्यु

कवर्धा (समय दर्शन)। थाना कुकदूर के अंतर्गत संरक्षित बैगा जनजाति के गुमशुदा व्यक्ति महासिंह बैगा (उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम सेंदूरखार) की मृत्यु जानवरों के शिकार के लिए बिछाए गए अवैध बिजली तार की चपेट में आ जाने के कारण करेंट लगने से हो गई। पुलिस गुमशुदा व्यक्ति का शव मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले के ग्राम धुरकुटा से बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट मृतक की पत्नी द्वारा 11 जनवरी 2025 को दर्ज कराई गई। रिपोर्ट के अनुसार, महासिंह बैगा 10 जनवरी 2025 की रात्रि करीब 8 बजे घर से बिना बताए कहीं चले गए थे। थाना प्रभारी निरीक्षक जे.एल. शांडिल्य के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने गुमशुदा व्यक्ति की तलाश के लिए उनके गांव और आसपास के जंगलों में सघन सर्च अभियान चलाया। 20 जनवरी को सर्चिंग के दौरान, गांव के पास के जंगल में लुक-छिप रहे दो संदिग्ध, संतराम बैगा और हीरालाल बैगा, मुखबिर की सूचना पर पकड़े गए। उनसे गहन पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि 10 जनवरी की रात को महासिंह बैगा और 10 अन्य लोग जंगली जानवर का शिकार करने की योजना बनाकर जंगल गए थे। उन्होंने अवैध बिजली कनेक्शन के माध्यम से जानवरों का शिकार करने का प्रयास किया। इसी दौरान, महासिंह बैगा बिजली के तार की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना को छिपाने के उद्देश्य से, महासिंह बैगा के शव को जंगल के एक नाले में गाड़ दिया गया और साक्ष्य मिटाने के लिए उस स्थान पर एक मृत गाय का शव रख दिया गया। संदेहियों की निशानदेही पर टीम ने मध्य प्रदेश के बजाग थाना क्षेत्र (ग्राम धुरकुटा, जिला डिंडौरी) में घटना स्थल का निरीक्षण किया। वहां गाड़ा हुआ शव बरामद किया गया, जिसे संदिग्धों ने महासिंह बैगा का बताया। विधिसम्मत कार्रवाई के तहत शव का पंचनामा तैयार किया गया और मामला थाना बजाग (म.प्र.) को ट्रांसफर किया गया।

चुनाव प्रचार एवं आमसभा,रैली,जुलूस में लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए लेनी होगी अनुमति

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय, त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है।कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दीपक कुमार अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 4 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तथा नगरीय क्षेत्रों में रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर, तेज हार्न का उपयोग प्रतिबंधित होगा।सक्षम अधिकारी से अनुमति पास होने की दशा में ध्वनि विस्तारक यंत्र अधिकतम 55 डेसीबल ही रखी जा सकेगी।अस्पताल,शैक्षणिक क्षेत्र, धार्मिक क्षेत्र के 100 मीटर के दायरे में एवं साइलेंस जोन (मौन क्षेत्र) के 100 मीटर के दायरें में लाउडस्पीकर का प्रयोग प्रतिबंधित होगा।ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग चुनाव प्रचार करने के लिए वाहनों पर एवं चुनावी सभाओं,प्रचार एवं जुलूस में सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक सक्षम अधिकारी की अनुमति उपरांत ही किया जा सकेगा।आमसभा,प्रचार,जुलुस के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग कर सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमति मिलने पर भी अधिकतम प्रात: 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ही किया जायेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों की अनुमति प्रदान करने के लिए जिले के पांचों एसडीएम को अपने अपने अनुविभाग क्षेत्र का सक्षम अधिकारी नियुक्त किया गया है।गरियाबंद अनुविभाग क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त क्षेत्र की अनुमति अनुविभागीय दंडाधिकारी गरियाबंद देंगे।इसी प्रकार छुरा अनुविभाग की अनुमति छुरा एसडीएम,राजिम अनुविभाग की अनुमति राजिम एसडीएम,मैनपुर अनुविभाग की अनुमति मैनपुर एसडीएम एवं देवभोग अनुविभाग की अनुमति देवभोग एसडीएम प्रदान करेंगे।

सरदार वल्लभ भाई भवन परिसर में लर्निंग लाइसेंस शिविर एवं प्रदूषण जांच शिविर आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और नागरिकों को सहूलियत प्रदान करने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। 'लर्निंग लाइसेंस शिविर' में कुल 90 लोगों ने अपना लर्निंग लाइसेंस बनवाया। वहीं, 'प्रदूषण जांच शिविर' में लगभग 28 लोगों ने अपने वाहनों का प्रदूषण स्तर जांच कराई। शिविर में भाग लेने वाले नागरिकों ने इस पहल को सराहा और सड़क सुरक्षा को लेकर अपनी जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के अंतर्गत यातायात पुलिस कबीरधाम द्वारा सरदार वल्लभ भाई भवन परिसर में एक दिवसीय लर्निंग लाइसेंस और प्रदूषण जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें वाहनों के प्रदूषण के प्रभावों से अवगत कराना था। साथ ही, यह सुनिश्चित करना था कि आम नागरिकों को लर्निंग लाइसेंस प्राप्त करने और

अपने वाहनों की प्रदूषण जांच कराने में कोई कठिनाई न हो। शिविर के दौरान आसपास के स्थानीय नागरिकों का उत्साह देखने योग्य था। नागरिकों ने न केवल लर्निंग लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदन किया, बल्कि अपने वाहनों के प्रदूषण स्तर को भी जांचवाया। इस तरह की पहल से सड़क सुरक्षा और पर्यावरण को लेकर जागरूकता फैलाना एक सकारात्मक कदम साबित हुआ है। इस आयोजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पटेल, उप पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार चंद्राकर और यातायात प्रभारी प्रवीण खलखो भी मौजूद रहे। इसके साथ ही परिवहन विभाग से श्री सोनी और प्रदूषण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। यातायात विभाग और अन्य संबंधित विभागों ने इस प्रकार के आयोजनों को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया ताकि आने वाले दिनों में नागरिकों में सड़क सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण के प्रति और अधिक जागरूकता फैले।

आबकारी विभाग दुर्ग की अवैध शराब निर्माण, विक्रय एवं धारण पर बड़ी कार्यवाही, 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर, जेल दाखिल किया गया

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर दुर्ग सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के दिशा-निर्देश व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी सी. आर. साहू के मार्गदर्शन में 21 जनवरी को प्रात: गश्त के दौरान अवैध शराब के निमार्ण, विक्रय एवं धारण की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित एवं विधिवत् कार्यवाही कर ग्राम घटियाखुर्द थाना नंदिनी नगर जिला दुर्ग में आरोपी 1. राहुल पारधी 2. नागेश्वर पारधी 3. अनिकेत पारधी 4. बबला पारधी 5. संजू पवार जाति पारधी 6. मुंशी राम पारधी के कब्जे से 44.64 लीटर देशी, विदेशी मदिरा, जिसका बाजार मूल्य 28000 रूपये है, 43 लीटर कच्ची मदिरा गुड़ निर्मित, जिसका बाजार मूल्य 6400 रूपये है एवं 500 किलेग्राम लाहन, जिसका बाजार मूल्य 25000 रूपये है तथा भारी मात्रा में मदिरा निर्माण सामाग्री गैस, चूल्हा, डेचकी आदि जप्त किया गया, जिसका बाजार मूल्य लगभग 10000 रूपये है। इस प्रकार जप्त मदिरा एवं सामग्रियों का कुल बाजार मूल्य लगभग 69400 रूपये है। उक्त प्रकरण में आरोपियों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59(क) एवं 34(1)(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर 05 आरोपियों को जेल दाखिला किया गया तथा 01 आरोपी मुंशी राम पारधी के विरूद्ध 34(1)(ख) प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है।

उक्त प्रकरण में आबकारी विभाग दुर्ग के सहायक जिला आबकारी अधिकारी निर्मला ठाकुर, पकंज कुजूर, आबकारी उप निरीक्षक अरविन्द साहू, हरिश पटेल, भूपेन्द्र नेताम, प्रियंक ठाकुर, गितांजलि तारम, कीर्ति ठाकुर, अनामिका टोप्पो, भोजराम रत्नाकर, आबकारी मुख्य आरक्षक सन्तोष दुबे, प्रहलाद सिंह राजपूत, आरक्षक देवप्रसाद पटेल, संदीप तिर्की, चितेश्वरी ध्रुव खुलदीप यादव के साथ संभागीय आबकारी अधिकारी सी.पी. सिंह, आबकारी मुख्य आरक्षक पाण्डेय एवं ड्राईवर कृष्ण कुमार कोसले का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त-खबर

रीमा नायक वार्ड क्रमांक-7 से कांग्रेस की मजबूत दावेदार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर जिस तरह से तेजी से हलचले उठ रही है, उसी बीच वार्डो से पुराने तो कुछ नये नाम तेजी से सामने आने लगे हैं। इसी बीच राजनीतिक गलियारों में एक मजबूत दावेदार के रूप में रीमा गोलू नायक का नाम तेजी से उछलकर सामने आ रहा है। रिमा नायक पिछले सात वर्षों से कांग्रेस की सक्रिय और कर्मठ कार्यकर्ता रही है। लंबे समय से रीमा नायक ने संगठन में अपनी लगातार और सक्रिय भूमिका निभाई है। रीमा ने सर्वप्रथम 2013 में कांग्रेस पार्टी की विधिवत सदस्यता ली, उसके बाद से लेकर आज पर्यन्त पूरी निष्ठा और सक्रियता से कांग्रेस के एक मजबूत सिपाही की तरह पार्टी को मजबूत करने में लगी हुई है। रीमा वर्तमान समय में महिला उत्कल घासी घसिया समाज की उपाध्यक्ष है। महात्मा गांधी वार्ड क्रमांक 7 के मोहल्ला विकास समिति की अध्यक्ष है। साथ ही भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा समिति में अहम भूमिका रहती है। समाज और कांग्रेस पार्टी में उनकी लगातार सक्रियता की वजह से उन्हें सबसे मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है और उनके समर्थन में अभी से माहौल बनना शुरू हो गया है, जिसको देखते हुए अभी से उनकी जीत भी सुनिश्चित मानी जा रही है। रीमा वार्डवासियों के संपर्क में रहकर हमेशा ही जनसेवा में लगी रहती है, यही कारण है कि, उनका जनाधार भी लगातार मजबूत होता जा रहा है। रीमा नायक के पति गोलू नायक भी पिछले डेढ़ दशक से कांग्रेस पार्टी में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में लगे हुए हैं। चाहे विधानसभा चुनाव हो, लोकसभा चुनाव हो या निकाय चुनाव ही क्यों न हो, इन्होंने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी वार्ड से शुरू से ही गोलू नायक की दावेदारी पक्की मानी जा रही थी, अब महिला आरक्षित सीट होने की वजह से पार्टी रीमा को टिकट देकर गोलू नायक की निष्ठा और सक्रियता का ईनाम दे सकती है।

बेलतरा में पांच दिवसीय श्री अखंड नवधा रामायण का समापन, आज मंडई

साजा (समय दर्शन)। साजा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेलतरा में श्री अखंडनवधा रामायण समारोह का आयोजन किया गया। 17जनवरी से प्रारंभ होकर 21जनवरी तक चला। ग्राम बेलतरा में नवधा रामायण का यह 41 वा वर्ष था । आयोजक समिति के सदस्यों ने बताया कि परम पावन मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी की असीम कृपा से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारे ग्राम बेलतरा में श्री अखंड नवधा रामायण का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें आने वाले सभी मानस मंडलियों को सदाबहार दान राशि के रूप में दिया गया। जिसके संरक्षक हनुमान जी महाराज है। आयोजक परिवार जय तुलसी मानस मंडली बेलतरा, मां शीतला के उपकार मानस परिवार बेलतरा,तुलसी का संदेश मानस परिवार बेलतरा,जय मां कर्मा महिला मानस मंडली बेलतरा, अध्यक्ष भूखन लाल साहू, सचिव सुंदर साहू , तोप सिंह साहू, संचालक गोवर्धन साहू, नारद साहू और साथ में कल 22 जनवरी बुधवार को मंडई का कार्यक्रम रखा गया है।

गणतंत्र दिवस एवं महात्मा गांधी निर्वाण दिवस के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित

महासमुंद (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए रविवार 26 जनवरी गणतंत्र दिवस एवं गुरुवार 30 जनवरी 2025 महात्मा गांधी निर्वाण दिवस के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया गया है। जिसके फलस्वरूप कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने उक्त शुष्क दिवस पर महासमुंद जिले की समस्त देशी, विदेशी, कम्पोजिट, प्रीमियम मदिरा की फुटकर दुकानों, एफएल.-3 सपना बार एंड रेस्टोरेंट, देशी मदिरा भण्डारण भाण्डागार महासमुंद तथा देशी, विदेशी, कम्पोजिट अहातों को बंद रखने आदेशित किया है। उक्त दिवस में मदिरा का सम्पूर्ण संव्यवहार प्रतिबंधित रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं के सेवार्थ महाकुंभ प्रयागराज रवाना

दुर्ग (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के कार्यकर्ता महाकुंभ में पहुंचे श्रद्धालुओं के सेवार्थ सोमवार की शाम सारनाथ एक्सप्रेस से प्रयागराज के लिए रवाना हुए। कार्यकर्ताओं का यह जत्था परिषद के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमार के नेतृत्व में दुर्ग रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ है। कार्यकर्ताओं को विदाई देने बड़ी संख्या में धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी रेलवे स्टेशन पहुंचे। जिससे रेलवे स्टेशन जय श्रीराम और जय महाकाल के जयघोष से गूंजयमान रहा। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमार ने बताया कि परिषद द्वारा महाकुंभ प्रयागराज में श्रद्धालुओं के सेवार्थ भव्य पंडाल लगाया गया है। श्रद्धालुओं के सेवार्थ परिषद के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर दुर्ग जिले समेत पूरे छत्तीसगढ़ में घर-घर जाकर 16 लाख की दान राशि व सामग्री एकत्रित की गई है। उक्त दान राशि व सामग्री श्रद्धालुओं के सेवार्थ पंडाल में परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों को सौपी जाएगी।प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमार के साथ निधि कुमार, सपन बहाल, डॉ. नीरज शर्मा, साई कृष्णन व अन्य पदाधिकारी प्रयागराज रवाना हुए हैं। उन्हें विदाई देने रेलवे स्टेशन में अधिवक्ता संतोष यदु , धीरेंद्र बघेल, अजय सुरपाम के अलावा अन्य धार्मिक संगठन के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शासकीय अधिकारी-कर्मचारी आदर्श आचरण संहिता का अनिवार्यत : पालन करें - जिला सीईओ

- समय सीमा की बैठक में नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायती राज निर्वाचन की दी गई जानकारी
- कोई भी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी बिना जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुमति के बगैर न मुख्यालय छोड़ेंग न अवकाश पर जाएंगे
- गणतंत्र दिवस आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप मनाया जाएगा

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में आज समय सीमा की बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक ने सभी शासकीय अधिकारी कर्मचारियों को आदर्श आचार संहिता का अनिवार्यत: पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होते ही सभी निर्वाचन आयोग के अधीन हो गए है। अत: आचार संहिता का पालन कड़ाई से करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान कोई भी शासकीय अधिकारी कर्मचारी बिना कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुमति के न ही अवकाश पर जाएंगे और न ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। आलोक ने बताया कि जिले में नगरीय निकाय अंतर्गत नगरपालिका - महासमुंद बागबाहरा, सरायपाली एवं नगर पंचायत अंतर्गत - पिथौरा, बसना, तुमगांव की चुनाव प्रक्रिया के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन, स्थान (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन बुधवार 22 जनवरी 2025 को सुबह 10:30 बजे किया जाएगा। उन्होंने निर्वाचन में संलग्न सभी अधिकारी कर्मचारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का बारीकी से अध्ययन करने के निर्देश दिए है। इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन की प्रक्रिया तीन चरणों में सम्पन्न होगी। चुनाव प्रक्रिया के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन, स्थान (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन सोमवार 27 जनवरी 2025 को किया जाएगा। अपर कलेक्टर रवि साहू ने बताया कि संपत्ति विरूपण के तहत कार्यवाही प्रारम्भ हो गई है। राजनीतिक पोस्टर बैनर को निकालने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों से प्रतिदिन रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि आयोग ने स्पष्ट किया है कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित किए जा सकते हैं, लेकिन इनमें राजनीतिक प्रचार-प्रसार पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। समारोह में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक जैसे राजनीतिक पदाधिकारी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो सकते हैं, लेकिन उनके भाषण देशभक्ति, स्वतंत्रता सेनानियों की उपलब्धियों और प्रेरणादायक विचारों तक सीमित रहेंगे। किसी भी नई योजना की घोषणा या राजनीतिक प्रचार-प्रसार की अनुमति नहीं होगी। संबंधित पदाधिकारी अपने गृह जिले या निर्वाचन क्षेत्र से बाहर अन्य स्थानों पर समारोह में भाग ले सकते हैं। ऐसे राजनीतिक पदाधिकारी जो चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं, वे अपने निर्वाचन क्षेत्र में अतिथि के रूप में शामिल नहीं हो सकेंगे। गणतंत्र दिवस पर शासन की प्रचलित योजनाओं की झांकियां प्रस्तुत की जा सकती हैं, लेकिन इनमें किसी भी राजनीतिक प्रतिनिधि के चित्र नहीं लगाए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं, बशर्ते इनमें राजनीतिक प्रचार शामिल न हो। त्रिस्तरीय पंचायतों और नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपने कार्यालय में ध्वजारोहण कर सकेंगे। सभी समारोहों में आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से पालन अनिवार्य होगा। बैठक में अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, रविराज ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

वार्ड नंबर 37 महावीर वार्ड से कदीर की सशक्त दावेदारी

महावीर वार्ड की पहली पसन्द कदीर बड़गुजर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नगरीय निकाय चुनाव के मद्दे नज़र सभी पार्टियां अब प्रत्याशियों को चुनने में लगी है लेकिन शहर में कुछ वार्ड ऐसे हैं जहां की जनता सीधे अपने चहेतों को प्रत्याशी के रूप में देखना चाहती है। ऐसा ही एक वार्ड है वार्ड नंबर 37 महावीर वार्ड जहां के रहवासी, कदीर बड़गुजर को अपने पार्षद के रूप में देखना चाहते हैं। कदीर बड़गुजर शुरू से ही लोगों की सेवा में जुटे हुए हैं, लगातार सामाजिक कार्यों में उनका योगदान ही उन्हें न केवल मुहल्ले में बल्कि पूरे शहर में एक अलग पहचान दिलाता हैं। फिर चाहे बात मां कालिका उत्सव समिति की हो, लगातार 15 वर्षों से दही लूट के आयोजन की हो या मुस्लिम तेली युवा संगठन की हर जगह कदीर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। कदीर ने वार्ड के उत्थान और विकास के लिए लगातार कार्य किए थे, जबकि पिछले वर्षों ? में उन्होंने वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर उनका निराकरण कराने में भी महत्पूर्ण भूमिका निभाई है। पूर्व में एनएसयूआई, जिला कांग्रेस कमेटी, जिला ग्रामीण कांग्रेस व शहर युवक कांग्रेस में महामंत्री, संगठन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी भूमिका निभान चुके कदीर अल्पसंख्यक विंग के जिला उपाध्यक्ष हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रति समर्पित कदीर लगातार पार्टी के कार्यों में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते आए हैं, ना केवल राजनीतिक रूप से बल्कि सामाजिक रूप से भी कदीर लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं। कदीर का कहना है कि वार्ड नंबर 37 महावीर वार्ड राजनांदगांव नगर निगम का एक महत्वपूर्ण वार्ड है, शहर की राजनीतिक और सामाजिक तौर पर कई विभूतियों ने इस वार्ड की सेवा की है जिनका योगदान इस वार्ड के लिए अभूतपूर्व रहा है। इस वार्ड के लोगों की सेवा करना मेरा कर्तव्य है और उनकी समस्याओं को दूर करना मेरा दायित्व है।

जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक-14 के लिए सशक्त व संभावित नाम सुमित अग्रवाल

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना गढ़फुल्झर क्षेत्रांर्गत के क्षेत्र क्रमांक-14 के लिए के जिला सदस्य पद हेतु भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय युवा नेता,नगर पंचायत बसना के पूर्व उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल का नाम उभर कर सामने आ रहा है। युवाओं को साथ लेकर चलने वाले विकास और ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र उत्थान के उद्देश्य से संकल्पित युवा चेहरा सुमित अग्रवाल ने जिला पंचायत महासमुन्द के क्षेत्र क्रमांक-14 से जिला पंचायत सदस्य पद हेतु युवाओं के चहेते सुमित अग्रवाल सशक्त और संभावित नाम है। मोदी जी की युवा भारत, सशक्त भारत से प्रेरित होकर, सुमित अग्रवाल ने सक्रिय राजनीति में कदम रखते हुए नगर पंचायत के विकास मे अपना योगदान देते हुए अब ग्रामों के सर्वांगीण विकास व समृद्धि के लिए ग्राम्य जीवन को नया मुकाम देने की चाहत रखते हैं ।

मोदी जी के सपनों को पूरा करने ,सुमित अग्रवाल युवाओं को राजनीति मे जोडकर ग्रामीण इलाके को सशक्त बनाना चाहते हैं । उनका मानना है कि, युवा शक्ति के समावेश के बिना किसी भी राष्ट्र या समाज का विकास अधूरा है। मोदी जी के आव्हान पर आधारित योग्य और सक्षम युवाओं को राजनीति से जोड़ने की बात से प्रेरित होकर, उन्होंने सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने का निश्चय किया है। उनका मानना है कि युवाओं को केवल शिक्षा, रोजगार, और तकनीकी कौशल तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें प्रशासन और देशसातर पर निर्णय प्रक्रिया में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

महासमुन्द जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक-14 के विकास की दृष्टिकोण से सुमित अग्रवाल ग्रामीण क्षेत्र के विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कई महत्वपूर्ण बातों से जनता से सीधे जुड़ना चाहते हैं ।

कृषि और जल प्रबंधन, सिंचाई की बेहतर व्यवस्था। फसल बीमा योजना को प्रभावी ढंग से लागू करना। किसानों के लिए नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण।

शिक्षा और रोजगार: स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना। युवाओं के लिए स्वरोजगार योजनाएं। महिलाओं के लिए कौशल विकास केंद्र स्थापित करना।

स्वास्थ्य और स्वच्छता: सभी घरों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता। स्वास्थ्य केंद्रों का आधुनिकीकरण। स्वच्छ भारत अभियान को गांव में प्रभावी रूप से लागू करना।

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विकास: गांव के युवाओं को खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहन। ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव और मेलों का आयोजन। ग्राम मे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देना। संकल्पित युवा संगठन की भूमिका।

शिक्षा, स्वास्थ्य, और ग्रामीण उत्थान के विभिन्न अभियानों में उनकी सक्रिय भागीदारी ने उन्हें युवाओं और बुजुर्गों के बीच एक लोकप्रिय चेहरा बनकर उभर रहे हैं ।

बकरियों का किया जा रहा अवैध परिवहन

- पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की उड़ाई जा रही धज्जियां

बसना (समत दर्शन)। बकरी तस्करों के द्वारा मालवाहक वाहनों से खुलेआम बकरियों को ठूंस ठूंसकर भरकर अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है।

बता दें कि,उड़ीसा, भिलाई दुर्ग,पेन्ड्रा मरवाही के बकरी तस्करों के द्वारा पालतू पशुओं के जीवन के साथ खिलवाड़ कर, प्रताड़ना देते हुए छत्तीसगढ़ के महासमुन्द जिला के पिथौरा बसना से गढफुल्झर मार्ग से उड़ीसा की ओर खुलेआम अवैध परिवहन किया जा रहा है।इसकी जानकारी शासन प्रशासन को होने के बावजूद भी किसी भी प्रकार से कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का नहीं किया जा पालन - उल्लेखनीय है कि, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 ,पशु क्रूरता को रोकने के लिए बनाया गया है।इस अधिनियम के तहत जानवरों के साथ क्रूरता करने पर सजा का प्रावधान है। बकरे बकरियों को छोटा हाथी, पिकअप वाहनों में लादकर बसना से गढफुल्झर मार्ग होते हुए पदमपुर उड़ीसा की तरफ प्रत्येक सप्ताह ले जाया जाता है। मीडिया के द्वारा इसकी सूचना थाना प्रभारी बसना को दी गई,, लेकिन उनके द्वारा पुलिस स्टाफभेजता हूं,, कहकर टाल दिया गया। जबकि गढफुल्झर के आगे छत्तीसगढ़ का अंतिम ग्राम परसापाली उड़ीसा सीमा से लगा हुआ जांच चौकी स्थित है,, वहां पर दिन-रात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। बकरियों को प्रताड़ित करते हुए उसी रास्ते परिवहन किया जा रहा है,, लेकिन बकरियों से भरी हुई वाहनों को पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के बजाय छोड़ दिया जाता है। जिससे जानवर तस्करों के हौसले बुलंद होते जा रहा है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26